डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

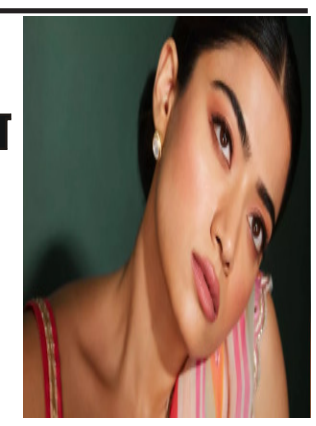

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः- 'लंबे समय की चुप्पी के बाद ट्रोलिंग पर छलका रश्मिका का दर्द

वर्ष -08 अंक -212 | प्रयागराज, गुरुवार, 10 नवंबर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

ढाई सौ ग्राम शराब पीने वालों को नहीं पकड़ना चाहि

(आधुनिक समाचार सेवा)

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने मंगलवार को दिल्ली में कहा कि शराबबंदी खराब नहीं है, मगर उसे लागू करने की प्रक्रिया में गड़बड़ी है। फिर चाहे वह बिहार हो या गुजरात। बड़े शराब तस्कर बच जा रहे और गरीब लोग पकड़े जा रहे हैं। जेलों में 70 प्रतिशत ऐसे लोग बंद हैं, जो आधा लीटर या ढाई सौ ग्राम शराब पीते हुए पकड़े गए हैं। यह अन्याय है। ऐसा नहीं होना चाहिए। जो सवा सौ ग्राम या ढाई सौ ग्राम पीते हैं, उनको नहीं पकड़ना चाहिए। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने

कहा कि इसकी समीक्षा होनी चाहिए। ब्रेथ एनलाइजर भी कभी-कभी गलत बताता है, जिससे पकड़ने वाले बदमाशी करते हैं। मांझी दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। गरीब सवर्णों को आरक्षण देने के फैसले का स्वागत मांझी ने सुप्रीम कोर्ट के गरीब सवर्णों को आरक्षण देने के फैसले का भी स्वागत किया। जाति गणना को जरूरी बताते हुए मांझी ने कहा कि अब जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए। इसके पूर्व बैठक में कार्यकारिणी प्रस्तावना दिया गया कि जल्द से जल्द बिहार के बाहर अन्य राज्यों में संगठन की प्रदेश इकाई का गठन करते हुए 20 लाख सदस्य बनाए जाए।

दिल्ली-यूपी समेत भारत के 7 राज्यों में भूकंप के झटके, नेपाल में 6 की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत, चीन और नेपाल में मंगलवार देर रात 1.57 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 6.3 तक मापी गई। भारत में दिल्ली, यूपी, बिहार, उत्तराखंड, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कई शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र नेपाल था। ऐसे में सबसे ज्यादा तबाही की खबरें नेपाल से ही सामने आ रही हैं। यहां के दोती में एक घर गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। में भूकंप आने के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए। जो काफी देर तक वापस नहीं गए। जब भूकंप आया तब लोग गहरी नींद में थे, लेकिन झटकों के लगने से उनकी नींद खुल गई। कुछ लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी शेयर किए हैं। नेपाल में डेढ़ घंटे में दो झटके महसूस किए गए। देर रात एक बजकर 57 मिनट के बाद 3 बजकर 15 मिनट पर भूकंप रिकॉर्ड किया गया। इसकी तीव्रता 3.6 रही। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, 8 नवंबर की रात 9 बजे भी नेपाल में भूकंप आया था। तीव्रता 4.9 रही। 8 नवंबर को ही दिन में करीब 12

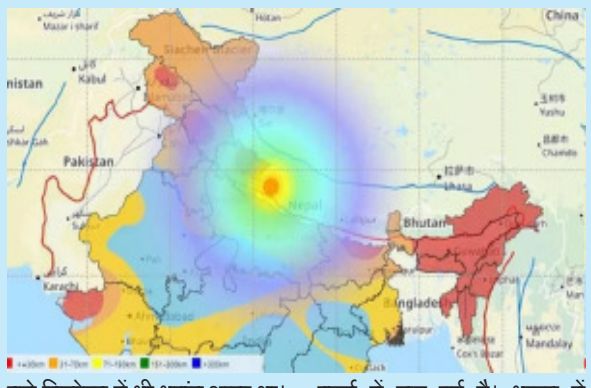

बजे मिजोरम में भी भूकंप आया था। यहां तीव्रता 4.4 थी। नेपाल में भूकंप से सबसे ज्यादा नुकसान की खबर है। यहां के डोटी में भूकंप के झटकों से एक मकान गिर गया। नेपाल पुलिस के मुताबिक, रात 2 बजे आए भूकंप से दोती जिले में एक घर गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। 5 घायल हो गए। नेपाल सेना को भूकंप प्रभावित इलाकों में तलाशी और बचाव अभियान के लिए भेजा गया है। डोटी में 6.6 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। मरने वालों में एक ही परिवार के 3 लोग शामिल हैं। भूकंप में घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाल में सेना राहत और बचाव कार्य में जुट गई है। भारत में दिल्ली, यूपी, बिहार, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कई शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप आने के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए। जो काफी देर तक वापस नहीं गए। जब भूकंप आया तब लोग गहरी नींद में थे, लेकिन झटकों के लगने से उनकी नींद खुल गई। कुछ लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी शेयर किए हैं। भूकंप आने के बाद ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा। आधे घंटे में करीब 20 हजार ट्वीट किए गए। आज सुबह करीब 6.27 बजे उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भी 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप की गहराई जमीन से 5 किमी नीचे थी। भूगर्भ वैज्ञानिकों के मुताबिक, भूकंप की असली वजह टेक्टोनिकल प्लेटों में तेज हलचल होती है। इसके अलावा उल्का प्रभाव और ज्वालामुखी विस्फोट, माइन टेस्टिंग और न्यूक्लियर टेस्टिंग की वजह से भी भूकंप आते हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता मापी जाती है। इस स्केल पर 2.0 या 3.0 की तीव्रता का भूकंप हल्का होता है, जबकि 6 की तीव्रता का मतलब शक्तिशाली भूकंप होता है। भूकंप की तीव्रता का अंदाजा उसके केंद्र (एपिसेंटर) से निकलने वाली ऊर्जा की तरंगों से लगाया जाता है। सैकड़ों किलोमीटर तक फैली इस लहर से कंपन होता है। धरती में दरारें तक पड़ जाती हैं। भूकंप का केंद्र कम गहराई पर हो तो इससे बाहर निकलने वाली ऊर्जा सतह के काफी करीब होती है, जिससे बड़ी तबाही होती है।

नगालैंड में दो समुदायों के बीच खूनी संघर्ष, 15 घायल; लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

(आधुनिक समाचार सेवा)

कोहिमा। नगालैंड के चुमौकेदिमा और पेरेन जिलों के बीच विवादित क्षेत्र को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प हो गई, जिसमें 15 लोग घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 9 लोगों को लगी गोली अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संदीप एम तमगडगे ने बताया कि घायलों में से नौ लोगों को गोली लगी है। सभी का इलाज दीमापुर के अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि गोली लगने से घायल हुए एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि हिंसा में आठ-दस कच्चे घर भी जल गए हैं।उपमुख्यमंत्री ने हिंसा प्रभावित गांव का लिया जायजा उपमुख्यमंत्री वाई पैटन , जिनके पास गृह विभाग है, ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ हिंसा प्रभावित नम्हैलमडी गांव का दौरा किया। उन्होंने इलाके के हालात का जायजा लिया, जहां सोमवार को हिंसा हुई थी। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील सूचना और जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि यात्रा के दौरान पैटन ने लोगों

से शांति बनाए रखने और स्थिति को बढ़ाने वाले किसी भी कार्य से परहेज करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी से भूमि पर सरकार के यथास्थिति आदेश का पालन करने का भी आग्रह किया, जिस पर दोनों समुदायों द्वारा दो जिलों की सीमा पर दावा किया जाता है।पैटन ने कहा कि सरकार ने केंद्रीय नागालैंड जनजाति परिषद और टेनीमिया पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन के नेताओं से शांति बनाए रखने और उनके मुद्दों को हल करने के लिए दोनों समुदायों के साथ इस मामले को उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में पर्याप्त बल तैनात किए गए हैं। एडीजीपी तमगाडगे ने कहा कि पुलिस मुख्यालय क्षेत्र में तैनात फील्ड अधिकारियों की विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि कम से कम दो उच्च स्तरीय विशेष जांच दल घटना की जांच करेगी। तमगाडगे ने कहा कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। सोमवार को इलाके में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई।

बेलारूस के विदेश मंत्री दो दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे एस जयशंकर से करेंगे मुलाकात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बेलारूस के विदेश मंत्री व्लादिमीर मेकी भारत की अपनी दो दिवसीय यात्रा के लिए बुधवार को दिल्ली पहुंचे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मेकी बुधवार शाम को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। उनके गुरुवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह शुक्रवार को बेलारूस वापस लौटेंगे। बेलारूस के साथ भारत के संबंध परंपरागत रूप से बेहद मधुर और सौहार्दपूर्ण रहे हैं। भारत 1991 में बेलारूस को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था। इस दौरान दोनों देशों के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए गए।

1992 में मिन्स्क में भारतीय राजनयिक मिशन खोला गया और बेलारूस ने 1998 में नई दिल्ली में अपना मिशन खोला।दोनों देशों के बीच सहयोग संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह जैसे कई बहुपक्षीय मंचों पर दिखाई देता है। बेलारूस उन देशों में से एक है, जिनके समर्थन ने जुलाई 2020 में ऊर्ण् में अस्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी को मजबूत करने में मदद की। भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन में बेलारूस की सदस्यता और आईपीयू (अंतर-संसदीय संघ) जैसे अन्य अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय समूहों जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बेलारूस का समर्थन किया है। दोनों देश एक व्यापक साझेदारी से जुड़े हुए हैं।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, देश में खनिज का पता लगाने के लिए 13 निजी एजेंसियों को मान्यता

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश में खनिज की खोज को लेकर अब तक 13 निजी एजेंसियों को मान्यता दी गई है। इस तरह निजी एजेंसियों की कुल

संख्या बढ़कर 22 हो गई है। पिछले साल खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में संशोधन के बाद निजी कंपनियों को खदानों की खोज में भाग लेने की अनुमति दी गई है। ऐसी एजेंसियों को भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआइ) के नेशनल एक्रिडिशन बोर्ड फार एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एनएबीईटी) से मान्यता लेने की आवश्यकता होती है। खान मंत्रालय के तहत आने वाला सार्वजनिक उपक्रम मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल), नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट फंडिग के माध्यम से खनिजों की खोज करता है। इसके अलावा, एमईसीएल ब्लाक के लिए रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज तैयार करने को लेकर परामर्श सेवाएं भी देता है। एमईसीएल राजस्थान के पश्चिमी भाग में पोटाश की उपलब्धता के अध्ययन के लिए राजस्थान सरकार के साथ भी जुड़ा है। अफ्रीकी महाद्वीप के देश मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सीएआर) ने अपने यहां पेट्रोलियम उत्पादों, यूरेनियम और लिथियम से लेकर सोने एवं हीरे तक के खनन के लिए भारतीय निवेशकों को आमंत्रित किया है।

शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत, पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे पर होगी औपचारिक घोषणा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले सप्ताह जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इंडोनेशिया के दौरे पर जाएंगे। इस शिखर सम्मेलन में भारत को जी20 की अध्यक्षता सौंपी जाएगी। इससे पहले, पीएम मोदी ने जन, कुछ दिनों बाद एक दिसंबर से भारत जी-20 की अध्यक्षता करेगा। भारत के लिए ये एक ऐतिहासिक अवसर है। आज इस समिट की, ऊपस और थ्दुद को लॉन्च किया गया है। मैं सभी देशवासियों को इस अवसर पर बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

मंगलवार को वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भारत के जी-20 प्रेसीडेंसी के लोगो, थीम और वेबसाइट का अनावरण किया था। पीएम मोदी बोले- भारत के लिए आज ऐतिहासिक अवसर पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि मेरे प्यारे देशवासियों और विश?व समुदाय के सभी परिवार प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि जी-20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है। जिनका आर्थिक सामर्थ्य विश्व की 85 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 उन 20 देशों का समूह है, जो विश्व के 75 प्रतिशत व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

नितिन गडकरी ने की पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की तारीफ, कहा- उनकी आर्थिक नीतियों के लिए देश रहेगा आभारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों की तारीफ की है। उन्होंने दिल्ली में आयोजित टीआईओएल पुरस्कार 2022 कार्यक्रम में कहा कि 1991 में तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह के आर्थिक सुधारों ने भारत को एक नई दिशा दिखाई,

जिसके लिए देश उनका आभारी रहेगा। गडकरी ने मनमोहन सिंह की तारीफ की बता दें कि 1990 दशक के मध्य में गडकरी महाराष्ट्र सरकार में मंत्री थे। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों के कारण ही वे महाराष्ट्र में सड़क निर्माण की योजनाओं के लिए धन जुटा पाए थे। नितिन गडकरी ने कहा कि आर्थिक नीतियों का उदारीकरण गरीबों और किसानों के लिए फायदेमंद होता है।आर्थिक उदारीकरण को लेकर गडकरी ने चीन का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि चीन ने आर्थिक नीतियों के उदारीकण के बाद विकास किया। इसके अलावा गडकरी ने कहा कि आर्थिक विकास को गति देने के लिए भारत को अधिक कैपिटल एक्सपेंडिचर निवेश करना होगा। गडकरी ने कहा कि उनका मंत्रालय 26 ग्रीन एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहा है। उनके अनुसार 2024 के अंत तक का टोल रेवेन्यू बढ़कर 1 करोड़ 40 लाख रुपये प्रतिवर्ष हो जाएगा, जो फिलहाल 40,000 करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं को लेकर भी मंगलवार को चिंता जताई है। नितिन गडकरी ने कहा कि देश के सामने 5 लाख दुर्घटनाओं का रिकार्ड है, जिसमें सबसे अधिक शिकार 18-24 साल की आयु वाले लोग ही हुए हैं। उन्होंने कहा दुर्घटनाओं से बचने के लिए लोगों को शिक्षित होना होगा। इसके अलावा उन्होंने ट्रैफिक समस्या, वायु प्रदुषण और ध्वनि प्रदुषण को लेकर भी चिंता जताई है।

सुप्रीम कोर्ट बतौर सीजेआई 74 दिन के कार्यकाल में कई अहम फैसले सुना रिटायर हुए जस्टिस उदय उमेश ललित

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए। 74 दिन के अपने संक्षिप्त कार्यकाल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले दिए और कार्यवाही के सीधे प्रसारण, मामलों को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में बदलाव व सुप्रीम कोर्ट

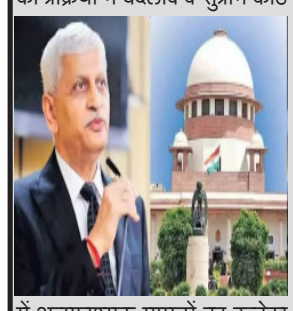

में अत्यावश्यक मामलों का उल्लेख करने जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर काम किया। जस्टिस ललित को 13 अगस्त, 2014 को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उन्होंने 27 अगस्त, 2022 को 49वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। प्रधान न्यायाधीश के कार्यकाल के अंतिम दिन जस्टिस ललित के नेतृत्व वाली संविधान पीठ ने 3:2 के बहुमत से सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) से संबंधित लोगों को दाखिलों और सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले 103वें संविधान संशोधन की वैधता को बरकरार रखा और कहा कि यह संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता है। हालांकि जस्टिस ललित ने जस्टिस एस. रवींद्र भट के दृष्टिकोण से सहमति व्यक्त की जिन्होंने सामान्य वर्ग के लिए ईडब्ल्यूएस कोटा को असंवैधानिक बताया। जस्टिस ललित ने 27 सितंबर से संविधान पीठ के मामलों का सीधा प्रसारण शुरू करने का आदेश दिया था। उनकी अगुआई वाली पीठ ने लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक को फांसी देने का मार्ग प्रशस्त किया वर्ष 2000 में लालकिले पर हुए हमले के मामले में मौत की सजा देने के फैसले की समीक्षा की और उसकी याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के चार रिक्त पदों को भरने का जस्टिस ललित का प्रयास अधूरा रह गया क्योंकि उनके उत्तराधिकारी जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एसए नजीर ने पांच सदस्यीय कोलेजियम द्वारा नियुक्ति के लिए नामों की सिफारिश के प्रस्ताव पर लिखित सहमति मांगने की प्रक्रिया पर आपत्ति जताई थी। हालांकि जस्टिस ललित के नेतृत्व वाले कोलेजियम ने विभिन्न हाई कोर्टों में लगभग 20 न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश की और इसके अलावा बांबे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में नामित करने की सिफारिश भी की।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का सुझाव, वार्ता और कूटनीति का रास्ता अपनाएं रूस-यूक्रेन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि रूस और यूक्रेन को बगैर किसी

देरी के वार्ता और कूटनीति का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस बयान को भी दोहराया कि यह समय युद्ध का नहीं है। रूस से ईंधन नहीं खरीदने का दबाव बना रहे अमेरिका और पश्चिमी देशों को फिर करारा जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा कि अपने नागरिकों को किफायती दर पर ईंधन उपलब्ध कराना भारत सरकार का मौलिक कर्तव्य है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संकेत दिया कि इस वर्ष भारत ने रूस से ज्यादा तेल की खरीद शुरू की है, जिसे आगे भी जारी रखने की कोशिश होगी। मास्को में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने कहा, हम संघर्ष से उत्पन्न ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर बढ़ती चिंताओं को देख रहे हैं जो दो साल में कोविड से बने गंभीर तनावों पर भारी पड़ रही हैं। ग्लोबल साउथ विशेष रूप से इस दर्द को बहुत तीव्रता से महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा, 'इसलिए भारत वार्ता और कूटनीति पर लौटने की जोरदार वकालत करता है। हम स्पष्ट रूप से शांति, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के लिए सम्मान और यूएन चार्टर के लिए समर्थन के पक्ष में हैं। जब उनसे पूछा गया कि वह रूस के साथ अपने रिश्तों को लेकर बाहरी देशों के दबाव पर क्या कहेंगे? तो उनका जवाब था, 'मैं अपनी सरकार के एक बड़े दल के साथ यहां आया हूं, यह बहुत कुछ कहता है। रूस हमारा पुराना और हर समय साथ देने वाला साझीदार है। उसने कई दशकों से हमारी मदद की है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि जहां तक रूस से तेल खरीद की बात है तो अभी ऊर्जा बाजार में कई वजहों से काफी अस्थिरता है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल खरीददार देश है। यह हमारा मौलिक कर्तव्य है कि अपने ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से किफायती दर पर ईंधन खरीदकर दें। अगर रूस से हमें इसमें मदद मिल रही है तो हम आगे भी इसे जारी रखेंगे।' जयशंकर के साथ रूस गए बड़े दल में पेट्रोलियम मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, उद्योग व वाणिज्य मंत्रालय और रसायन मंत्रालय के भी बड़े अधिकारी शामिल हैं। उनके बीच बहुध्रुवीय दुनिया बनाने में सहयोग करने पर बात हुई है।

संवाददाता जवाहर नगर प्रयागराज

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। क्ष्यदुवंशीकल्याणट्रस्ट की प्रयागराज इकाई के सौजन्य से आज जागरूकता अभियान के अन्तर्गत प्रयागराज के जवाहर यादव बालिका इंटर कालेज और बाबू जे आर डी पाल इंटर कालेज जवाहर नगर, प्रयागराज में बच्चो को डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारी से बचने के तरीके और शिक्षा के मूल उदेश्यो के प्रति जागरूक किया। साथ ही प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत किया, जागरूकता अभियान श्री लाल मणि यादव जी की देखरेख में जिला अध्यक्ष रविराज यादव और जिला सचिव आनंद प्रकाश जी ने सम्पन्न किया।

रामपट्टी जारी में अवैध कब्जा की सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में जिला प्रयागराज के तहसील बारा के ग्राम सभा रामपट्टी (जारी)में अवैध तरीके से गरीब व असहाय (किसी तरिके गुजर बसर कर रहे) की पट्टे की जमीन पर दबंगई दिखा दबंगों ने कब्जा किया जिसकी सुनवाई 45 साल तक नहीं हुई ।संस्थाठसमाज कल्याण एवं महिला सम्मान संगठनठ(सम्बध्द द्वारा- हर्ट आफ हिन्दुस्तान फाउंडेशन) की उत्तर प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती पूजा गिरी के माध्यम से अवैध अतिक्रमण को राजस्व विभाग और तथा प्रशासन के मौजूदगी में खाली कराया गया । संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश कुमार व राष्ट्रीय सचिव सुकृत गोस्वामी जी के साथ अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

मंत्री नन्दी ने देर रात पूर्वांचल एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा पर मारा छापा

औचक निरीक्षण में सामने आई कई खामियां मानक में निर्धारित 40 -50 की जगह उपस्थित मिले 15 कर्मचारी टोल प्लाजा पर 16 की जगह 8 काउंटर ही खुले हुए मिले

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। औद्योगिक विकास मंत्री के औचक निरीक्षण एवं छापा मार कार्रवाई से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की व्यवस्था में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों में मचा हड़कम्प उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने दिनांक 08.11.2022 को जम्मू कश्मीर सरकार के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा जी के पैतृक आवास मोहनपुरा जनपद गाजीपुर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा समापन समारोह में सम्मिलित होकर लखनऊ लौटते समय देर रात करीब एक बजे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 9.5 पर स्थित संसारा टोल प्लाजा (महुआ कला) लखनऊ पर अचानक छापा मारा। औचक निरीक्षण एवं छापा मार कार्रवाई में मंत्री नन्दी ने कई खामियां पकड़ी, उपस्थित कर्मचारियों की संख्या मानक से कम होने एवं उपस्थिति रजिस्टर में लापरवाही मिलने पर मंत्री नन्दी ने सम्बंधित एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करने एवं सम्बंधित के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर टोल बूथों की संख्या 116 हैं। जहां वसूली के लिए कार्मिक उपलब्ध कराए जाने की जिम्मेदारी अनुबन्ध के अनुसार मेसर्स कोरल एसोसिएट्स को सौंपी गई है। जिसके द्वारा सभी टोल बूथों पर कुल 1211 अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात हैं। प्रत्येक बूथ पर मानक के अनुसार एक शिफ्ट में 40 -50 कर्मचारी तैनात होने चाहिए, लेकिन पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के टोल बूथों पर प्रत्येक शिफ्ट में कर्मचारियों की संख्या मानक से काफी कम होने की शिकायत पिछले कई दिनों से औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी को मिल रही थी। जिसे मंत्री नन्दी ने काफी गम्भीरता से लिया। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बैठक में भी औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों की उपस्थिति संख्या कम मिलने पर सवाल उठाया था। इसके बाद भी सम्बंधित एजेंसी के कार्य प्रणाली में कोई सुधार नहीं आया। मंगलवार को जनपद गाजीपुर से लखनऊ लौटते समय औद्योगिक विकास मंत्री ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सफर करते हुए एक्सप्रेसवे की व्यवस्था का निरीक्षण किया। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 9.5 पर स्थित टोल प्लाजा-1 संसारा (महुआ कला) लखनऊ के पास पहुंचने पर मंत्री नन्दी ने अचानक अपने काफिले को रूकने का आदेश दिया। टोल प्लाजा पर अचानक औद्योगिक विकास मंत्री का काफिला रूकते ही टोल प्लाजा कर्मचारियों में हड़कम्प मच गया। काफिला रूकते ही गाड़ी से उतरते हुए औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने टोल प्लाजा पर छापा मार व औचक निरीक्षण की कार्रवाई की। जहां अप और डाउन दोनो लेन पर 16 की जगह कुल 8 काउंटर ही खुले हुए मिले। टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों की संख्या पूछते हुए मंत्री नन्दी टोल प्लाजा के मुख्य कार्यालय में पहुंचे, जहां उन्होंने कंट्रोल रूम को चेक किया। व्यवस्था को देखा। इसके बाद उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण किया, जो पूरी तरह से मेंटेन नहीं था। प्रति दिन बड़ी संख्या में कर्मचारियों की उपस्थिति नगण्य मिली। निर्धारित मानक के अनुसार एक शिफ्ट में 40 - 50 कर्मचारी तैनात होने चाहिए थे, जबकि टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों की कुल उपस्थिति केवल पंद्रह ही मिली। जिस पर औद्योगिक विकास मंत्री ने नाराजगी जताते हुए मैन पॉवर उपलब्ध कराने वाली एजेंसी का लाइसेंस निरस्त करने के साथ ही एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने कहा कि एक्सप्रेसवे की व्यवस्था में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक्सप्रेसवे पर वाहनों की कतार न लगे, वाहन चालकों को असुविधा न हो और टोल वसूली भी निर्बाध गति से चलती रहे, इसके लिए निर्धारित मानक में कर्मचारियों की उपस्थिति एवं तैनाती आवश्यक है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। औद्योगिक विकास मंत्री ने कहा कि जल्द ही अन्य एक्सप्रेसवे की व्यवस्थाओं का भी औचक निरीक्षण कर जायजा लिया जाएगा।

मंत्री नन्दी ने सम्बंधित एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करने के साथ ही अन्य कार्रबाई के दिए निर्देश

यातायात माह में भी ट्रैफिक नियम की अनदेखी

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। यातायात माह नवम्बर में भी ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जिले भर की सड़कों पर वाहन चालक बेखौफ होकर नियम तोड़ रहे हैं। परिवहन और यातायात विभाग खानापूर्ति भर कर रहा है। जागरुकता के बजाए चालान काटने पर अधिक फोकस किया जा रहा है। शहर के कई इलाकों में इनकी वजह से जाम की स्थिति बन जा रही है। परिणाम है कि ट्रैफिक नियमों को लेकर चालकों में गंभीरता नहीं दिख रही है। नेशनल हाईवे हो, स्टेट हाईवे हो अथवा गांवों की सड़कें, हर जगह यातायात नियमों की अनदेखी साफ नजर आ रही है। पुलिस के जवान आंखें मूंदे बैठे हैं। बाइक चालक ट्रिपलिंग करते हैं, ऊपर से हेलमेट भी नहीं लगाते। इनकी स्पीड का कोई ठिकाना नहीं होता। कार चालक तो 90 प्रतिशत बिना सीट बेल्ट के नजर आते हैं। सभ्रांत लोगों का कहना है कि चालान काटने के बजाए जागरुकता फैलाई जाए तो व्यवस्था में काफी हद तक सुधार आ सकता है।

जा रहा है। जिले में अभियान फोटो खिंचवाने तक सीमित है। दूसरी तरफ ई-रिक्शा चालक पर यातायात नियमों का कोई भी असर दिखता हुआ नजर नहीं आ रहा है। चौराहे पर खड़े पुलिस के जवान ई-रिक्शा चालकों पर शिकंजा नहीं कस रहे है। नाबालिग बच्चे भी ई-रिक्शा चलाते नजर आ रहे हैं लेकिन

लोकसभा चुनाव की अभी से तैयारी शुरू डीएम ने मतदाता रजिस्ट्रेशन का किया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची दुरुस्त करने का कार्य प्रयागराज में बुधवार से शुरू हो गया है। शहर में स्थित सेंट एंथोनी इंटर कालेज में डीएम संजय कुमार खत्री ने मतदाता रजिस्ट्रेशन का शुभारंभ किया। मतदाता सूची का ग्राफ प्रकाशन किया गया। इसके बाद सूची में मतदाताओं के नाम जोडने व घटाने का काम शुरू हो गया। यह कार्य नौ दिसंबर तक चलेगा। मतदाता सूची से संबंधित दावा व आपत्तियों को प्राप्त करने के लिए 12, 20, 26 नवंबर व चार दिसंबर को विशेष तिथि निर्धारित की गई है। दावा और आपत्तियों का निस्तारण 26 दिसंबर तक होगा। पूरक सूचियों का मुद्रण, फोटो आदि संपूर्ण कार्यवाही तीन जनवरी 2023 को होगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन पांच जनवरी 2023 को होगा। प्रयागराज के उप जिला निर्वाचन अधिकारी व एडीएम प्रशासन हर्षदेव पांडेय ने बताया कि एक जनवरी 2023 के आधार पर लोकसभा व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना है।

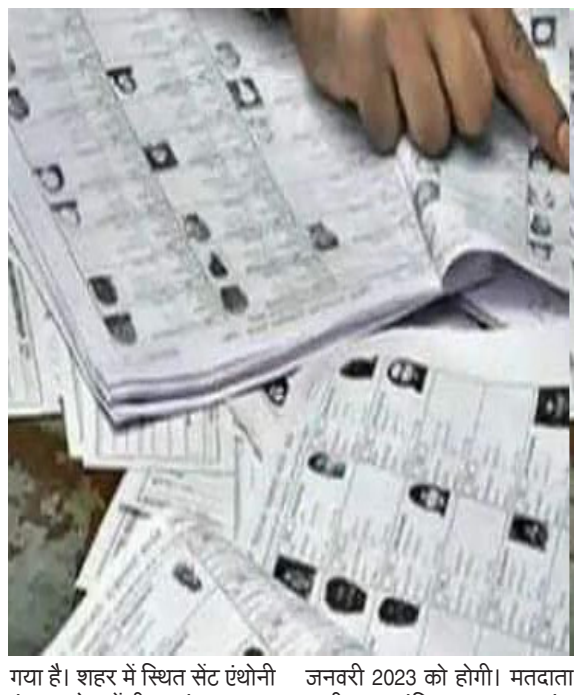

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सात विभागों को मिले 77 नए शिक्षक

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सात विभागों को 77 नए शिक्षक मिल गए हैं। बुधवार को हुई कार्य परिषद की बैठक में प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीती शास्त्र, गांधी अध्ययन, वनस्पति विज्ञान और अंग्रेजी विभाग में हुई नियुक्तियों के लिफाफे खोले गए। हालांकि कई विभागों में प्रोफेसर पद पर अर्ह अभ्यर्थी नहीं मिलने पर नियुक्ति नहीं हुई। इस दौरान दौरान कई शिक्षकों की पदोन्नति पर भी मुहर लगी। बुधवार को 77 पदों पर भर्तियों के साथ अब तक 20 विषयों में 240 शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है।

मौत के 11 महीने बाद पति ने पत्नी को जड़ा थप्पड़,भूत कहते हुए चीख पड़ी पत्नी,जानें पूरा मामला

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में करछना इलाके में रहने वाला फिरोज बिहार के सूरज गुप्ता की हत्या करने बाद खुद को भी मृतक साबित करना चाहता था,लेकिन फिरोज कामयाब नहीं हो सका।ये बड़ी अचंभित करने वाली कहानी थी।इससे पहले प्रयागराज में ये कहानी अल्लापुर के महेंद्र सिंह दोहरा चुका है।अंतिम संस्कार होने के बाद जब महेंद्र सिंह अपनी पत्नी की पिटाई करने पहुंचा तो लोगों ने सोचा कि घरवालों ने किसी भूत को देख लिया है। दोबारा उसने ससुराल में विवाद किया तो ग्रामीणों ने पकड़ कर उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद उसकी हैवानियत का पर्दाफाश हुआ।अब पुलिस ने हत्या के मामले में कार्रवाई के लिए उड़ीसा पुलिस से संपर्क किया है। उड़ीसा में युवक को जलाया अल्लापुर के रहने वाले महेंद्र सिंह की शादी सरायइनायत थाना क्षेत्र में रहने वाले मिथिलेश सिंह की बेटी के साथ 2013 में हुई थी।महेंद्र सिंह उड़ीसा में काम कर रहा था और बालासोर में रहता था। 2021 में एक निजी लैब कंपनी में बतौर मैनेजर पद पर महेंद्र सिंह तैनात था। 15 जुलाई 2021 को महेंद्र सिंह ने मुन्ना भ?इया नाम के व्यक्ति की हत्या कर दी और शव को जला दिया।शव की पहचान ना हो सके,उसकी जगह पर अपनी आईडी रख दी थी।अगले दिन उड़ीसा पुलिस को लगा कि प्रयागराज के रहने वाले महेंद्र सिंह की हत्या कर दी गई। उड़ीसा पुलिस ने महेंद्र के परिजनों से संपर्क किया। आखिर में प्रयागराज में महेंद्र सिंह का अंतिम संस्कार कर दिया गया। महेंद्र सिंह ने अपना इंश्योरेंस भी कराया था।परिजनों ने क्लेम कर इंश्योरेंस भी ले लिया।महेंद्र की विधवा पत्नी अपने ससुराल में ही रहती थी।जुलाई 2021 में अंतिम संस्कार के बाद जून 2022 में महेंद्र अपने घर पहुंचा। रात में पत्नी से मिला तो वहां पर विवाद हो गया। महेंद्र ने पत्नी को थप्पड़ मार दिया। महेंद्र इंश्योरेंस की रकम चाह रहा था। पत्नी डर गई और चीख पड़ी,लेकिन तब तक महेंद्र भाग चुका था। पुलिस को भी सूचना दी गई। जॉर्जटाउन थाने की पुलिस भी पहुंच गई,लेकिन किसी को विश्वास नहीं हुआ कि महेंद्र वहां पर पहुंचा था। इसके बाद महेंद्र की पत्नी अपने मायके चली गई। 6 जून 2022 को महेंद्र अपनी ससुराल पहुंचा और मारपीट करने लगा। गांव वालों ने महेंद्र को पकड़कर पिटाई कर दी और सरायइनायत थाने में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो महेंद्र ने स्वीकारा कि उसने मुन्ना भइया की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया और उड़ीसा पुलिस को कार्रवाई के लिए पत्राचार किया है।

पूर्वोत्तर रेलवे के नवागत महाप्रबन्धक चन्द्रवीर रमण ने अपना पदभार ग्रहण कर किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के नवागत महाप्रबन्धक चन्द्र वीर रमण ने आज अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। वे इसके पूर्व आप रेलवे बोर्ड नई दिल्ली में प्रमुख कार्यपालक निदेशक व सतर्कता एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी रेलवे बोर्ड के पद पर कार्यरत थे। नवागत महाप्रबन्धक श्री रमण को रेल प्रशासन एवं प्रबन्धन का गहन अनुभव प्राप्त है।आप अधिकारियों एवं कर्मचारियों में समान रूप से लोकप्रिय हैं। नवागत महाप्रबन्धक आई.आई.टी.खड़गपुर से यांत्रिक इंजीनियरिंग में बी.टेक(आनर्स) की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात श्री रमण 1986 बैच के भारतीय रेल भंडार सेवा (आई.आर.एस.एस) के अधिकारी के रूप में रेल सेवा में आये। आपकी पहली नियुक्ति इन्टीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में सहायक भंडार नियंत्रक के पद पर हुई। तत्पश्चात आपने दक्षिण रेलवे के

विक्रय, दक्षिण पश्चिम रेलवे पर मुख्य सामग्री प्रबन्धक, कॉफमऊ में भण्डार नियंत्रक एवं रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक/रेलवे स्टोर्स के दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक श्री रमण ने पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे पर मंडल रेल प्रबन्धक अलीपुर द्वार, उत्तर रेलवे पर मुख्य सामग्री प्रबन्धक तथा रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला के प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कुशलतापूर्वक कार्य किया। आपने भारत एवं विदेशों जैसे- यू.एस.ए., सिंगापुर, मलेशिया, फ्रांस एवं इटली में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया । इस संबंध मे पंकज कुमार सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी गोरखपुर व मण्डल रेल प्रबन्धक वाराणसी परिक्षेत्र के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को बताया कि नवागत महाप्रबन्धक श्री रमण को रेल प्रशासन एवं प्रबन्धन का गहन अनुभव प्राप्त है।आप अधिकारियों एवं कर्मचारियों में समान रूप से भारतीय रेल मे काफी लोकप्रिय हैं।

फेसबुक पर लाइव आकर प्रेमी ने काट लिया गला, प्रेमिका की शादी दूसरी जगह तय होने से था नाराज

(आधुनिक समाचार सेवा)

मगराजगंज। महराजगंज जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां प्रेमिका की शादी कहीं और तय होने से नाराज प्रेमी ने पहले प्रेमिका को भागकर शादी करने का फैसला सुनाया, लेकिन प्रेमिका ने मना कर दिया। जिससे आहत होकर प्रेमी ने जान देने का फैसला कर लिया। युवक ने फेसबुक पर लाइव आकर दोस्तों को आपबीती बताते हुए गैलेंडर मशीन से अपना गला काट लिया। फेसबुक लाइव पर घटना देखकर लोगों ने उसके स्वजन से संपर्क किया और उसे इलाज के लिए भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल युवक का हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जिले के पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर टोला अमहवा निवासी शैलेष का गांव के पास की ही एक युवती से प्रेम प्रसंग है। शैलेष रोजगार के लिए हैदराबाद में रहता है। बताया जा रहा है कि युवती के स्वजन उसकी शादी कहीं और तय कर दिए हैं। जिससे शैलेष काफी आहत था। आत्महत्या के प्रयास का वीडियो डालने से पहले उसने फेसबुक पर कई अन्य पोस्ट भी डाले हैं। जिसमें युवती की तस्वीरें और अन्य संदेश भी शामिल हैं। मंगलवार को अंतिम वीडियो में प्रेमिका को कोसते हुए गैलेंडर मशीन से वह अपना गला काटते हुए दिखाई दे रहा है।

भूकंप के झटकों ने आधी रात को डराया, घरों से बाहर निकल आए लोग

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। शहर में रात 1.58 बजे भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग डरे नजर आए। अधिकांश लोगों के नींद में होने से उनको अहसास नहीं हुआ लेकिन जो लोग जगे हुए थे उनके लिए भूकंप एक डरावने सपने की तरह था। लोगों फेसबुह और ट्विटर आदि पर शेयर कर इसे आधी रात को डरावना अनुभव बताया है। वहीं सुबह भी आए भूकंप के हल्के झटकों को महसूस किया गया। कई लोगों ने डर की वजह से रात भर नींद न आने की भी जानकारी साझा की है। वहीं नेशनल सेंटर फार - नेपाल। बुधवार की सुबह तीसरा झटका : भूकंप की तीव्रता रिक?टर स्केल पर 4.3, तिथि 09-11-2022, समय- 06:27:13, स्थान - पिथौरागढ़, उत्तराखंड भारत।मंगलवार की रात करीब नौ बजे, रात 1.57 बजे और सुबह 6.27 बजे विभाग ने भूकंप के झटकों

ने अपने भूकंप के अनुभव साझा किए और भूकंप के कुछ सेकेंड तक के लिए सक्रिय रहने की जानकारी दी। वहीं परिवारों में जो लोग जगे थे वह काफी डरे नजर आए और कुछ समय के लिए घर से बाहर भी निकल आए। रितिका यादव, हिमांशु शेखर राय, रवि सिंह और मनोज ने ट्विटर पर वाराणसी में अपना भूकंप का अनुभव साझा किया है। इसके अलावा भी तमाम लोगों ने भूकंप के अनुभवों को सीस्मोलाजी ने रात से लेकर सुबह तक तीन भूकंप के झटकों का स्थान नेपाल और भारत के पिथौरागढ़ वाले हिमालयी क्षेत्र में होने की जानकारी साझा की है।मंगलवार की रात पहला झटका : भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.9, तिथि- 08-11-2022, समय- 20:52:42, स्थान - नेपाल। मंगलवार/बुधवार की रात दूसरा झटका : भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.3, तिथि 09-11-2022, समय- 01:57:24, स्थान के बारे में जानकारी ट्वीट की है। इस लिहाज से आधी रात करीब दो बजे आया भूकंप सर्वाधिक तीव्रता का था। इसकी वजह से वाराणसी में कहीं नुकसान की सूचना नहीं है। लेकिन, सुबह भी आए भूकंप के असर को कुछ लोगों ने महसूस किया। हालांकि, भूकंप का यह असर काफी हल्का था। लगभग 12 घंटों में आए तीन झटकों की वजह से लोगों में भूकंप को लेकर डर का असर भी रहा।

वाराणसी में लक्सा थाने में तैनात उपनिरीक्षक को बाइक सवार तीन बदमाशों ने गोली मारकर सरकारी पिस्टल लूटी

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। जगतपुर स्थित अपने निर्माणाधीन मकान पर पहुंचे दारोगा को पीछे से आए बाइक सवार तीन दुस्साहसी बदमाशों ने गोली मार कर उनकी सरकारी पिस्टल, पर्स और मोबाइल लूट ली । दारोगा को गोली मारकर लूट की घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। घायल दारोगा को अनंत अस्पताल रोहनिया में भर्ती कराया गया है। उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल

और अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी और जांच की है। घटना की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। बदमाशों ने गोली मारने के बाद कहा की बहुत गुंडा बनते हो । पुलिस कमिश्नरेट के लक्सा थाने में तैनात दारोगा अजय यादव 2015 बैच के मूलरूप से प्रतापगढ़ जिले के भीखमपुर गांव के रहने वाले हैं। अजय यादव ने बताया कि जैसे ही अपने मकान के पास पहुंचकर बाइक खड़ा कर रहा था अचानक दो बदमाश गर्दन पकड़ लिए। हेलमेट लगा होने के कारण समझ नहीं पाया। लेकिन दोनों बदमाशों को लेकर नहर में कूद गया। इसी दौरान तीसरे बदमाश ने गोली मार दिया जिसके बाद मैं गिर गया। इसके बाद सभी मेरी पिस्टल, पर्स और मोबाइल लूट ले गए। घटना के बाद बाइक पर सवार होकर बदमाश असलहा लहराते हुए भाग निकले। अस्पताल के डॉक्टर आलोक शर्मा ने बताया गोली सीने से पीठ की तरफ पार हो गई है। हालत खतरे से बाहर है। अजय यादव ने अधिकारियों के सामने बताया कि वर्ष 2019 में लंका थाने में तैनाती के दौरान चितईपुर क्षेत्र 419 , 420, 467, 468, 471 के जमीन संबंधी मुकदमे में तीन के खिलाफ भूमाफिया का विवेचक रहा जिसमें रमाकांत सिंह को जेल भेजा था बाकी दो फरार थे। इसके अलावा किसी के कोई रंजिश नहीं है। अजय यादव के मुताबिक तीनों बदमाश 18 से 20 वर्ष के रहे। सभी ने मास्क लगा रखा था । घटना की सूचना के बाद मौके पर पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश, संतोष कुमार सिंह, सूर्यकांत त्रिपाठी, नीरज पांडेय सहित पुलिस अधिकारी मौके और अस्पताल पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस कमिश्नर ए. सतीश गणेश ने बताया कि वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की तलाश में क्राइम ब्रांच सहित पुलिस की 5 टीमें लगाई गई हैं। बदमाश जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

वाराणसी में पेशकार समेत सात कर्मचारियों के अनुपस्थित मिलने पर जिलाधिकारी ने की कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने बुधवार को सुबह कलेक्ट्रेट परिसर में औचक निरीक्षण करने के साथ ही एक-

एक कर सभी कार्यालय में जाकर जांच की। सबसे पहले कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कर्मचारियों से उनके पद व कार्य के बारे में पूछताछ की। कार्यालय में साफ सफाई की व्यवस्था देख कर नाराजगी जताई और मौके पर नाजिर से सफाई पर कई सवाल किए जिसका वे जवाब नहीं दे सके। नजारत के रिकार्ड रूम का मुआयना करते हुए ईआरके से रिकार्ड सम्बन्धी बस्तों के रख रखाव और उसपर जमी धूल पर सवाल पूछे। बस्तों पर लगे लेबल को देख कर तीस साल पुराने रिकार्डस का डिस्पोजल/बीड आउट कराने का निर्देश एडीएम फाइनेंस को दिया और राजस्व रिकार्ड को डिजिटाइजेशन कराने को कहा। कलेक्ट्रेट कार्यालय का भ्रमण करते उनकी नजर टूटी हुई कुर्सी व लकड़ी को बरामदे में पड़ा हुआ देख कर नाराज हुए और पूछा कि ये यहां पर क्यों पड़ा है बेकार है तो डिस्पोज क्यों नहीं हुआकलेक्ट्रेट स्थित जन्म-मृत्यु रिकार्ड रूम पहुंचे वहां निरीक्षण के दौरान बस्ता खुलवा कर अभिलेखों को देखा। इसके पश्चात् अभिलेखागार फौजदारी दोयम का निरीक्षण किया। आरआरके से राजस्व रिकार्ड की नकल देने की प्रक्रिया में लगने वाले समय और अर्जेंट नकल देने की फीस आदि के बारे में सवाल जवाब किया। एडीएम फाइनेंस को रिकार्ड के बेहतर तरीके से रखरखाव के बारे में प्लान तैयार करने का निर्देश दिया। डिप्टी कलेक्टर राजस्व के कार्यालय का निरीक्षण किया जहां पर पेशकार के अनुपस्थित रहने पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीआरए सेक्शन के काशी नाथ, आशा अफजल, उमेश, प्रणय भट्टाचार्य, बेचू व नेहा बहादुर बिल क्लर्क दिनेश, आनन्द तिवारी के अनुपस्थित रहने पर इन सबके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने लोक शिकायत अनुभाग का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी प्रोटोकॉल, एडीएम सिटी, सीआरओ, रजिस्ट्री, एसीएम प्रथम,एसीएम द्वितीय कार्यालय का भी निरीक्षण किया। डीएलआरसी कार्यालय का निरीक्षण करने के बाद रिकार्ड रूम में चकबन्दी बस्तों के रखरखाव का भी जायज़ा लिया। जिलाधिकारी ने कार्यालयों के निरीक्षण के समय टूटी कुर्सी पर बैठ कर काम करते देख कर कही कि टूटी कुर्सी पर बैठ कर काम करने से वैसे ही आपके आचार विचार होंगे यह अच्छी बात नहीं है इसका ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान एडीएम सिटी, एडीएम फाइनेंस, एसीएम व अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

आजमगढ़ में तैनाती 14 सफाई कर्मियों की, एसडीएम को जांच में मात्र दो लोग काम करते मिले

(आधुनिक समाचार सेवा)

आजमगढ़। जिले में सफाई व्यवस्था किस हद तक बदहाल है इसकी जानकारी बुधवार को उस समय सामने आई जब एसडीएम ने मौका मुआयना किया। उनको सफाई नायक ने बताया कि 14 सफाई कर्मचारी तैनात हैं जबकि एसडीएम को मात्र दो कर्मचारी काम करते नजर आए। माहुल नगर के निरीक्षण में गंदगी देख उपजिलाधिकारी नाराज हुए और अधिशासी अधिकारी और चेयरमैन से फोन पर बात करने की कोशिश की तो बात नहीं हो सकी। प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत की परिकल्पना माहुल नगर में पूरी होती नहीं दिखी तो उपजिलाधिकारी काफी नाराज हुए। उनकी नाराजगी उस समय और बढ़ गई जब सफाई नायक ने 14 कर्मचारी लगाए जाने की जानकारी दी और निरीक्षण में एसडीएम को मात्र दो कर्मचारी ही ड्यूटी पर मिले। उपजिलाधिकारी फूलपुर नरेंद्र कुमार गंगवार ने बुधवार को नगर पंचायत माहुल में साफ सफाई का निरीक्षण किया। तिराहों, चौराहों पर गंदगी देख सफाई नायक पर भड़क गए और सुधार की चेतावनी दी। सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करने

सुबह सात बजे माहुल नगर में पहुंच गए। देखा कि शिवाजी मेन चौक, खान चौक, शंकर तिराहा सहित तमाम जगहों पर कूड़े का ढेर लगा हुआ है और मक्खियां भनभना रही थीं। सफाई कर्मी नदारत रहे। इस पर उन्होंने यहां के अधिशासी अधिकारी दिनेश चंद्र आर्य और चेयरमैन को फोन लगाया तो स्विच आफ बता रहा था। कुछ देर बाद सफाई नायक संजय कुमार मौके पर पहुंचे तो उनसे एसडीएम ने पूछा कि कितने सफाई कर्मी लगे हैं, तो सफाई नायक ने बताया कि 14 कर्मी लगे हैं। आसपास की गलियों में सफाई कर रहे हैं। इस पर उन्हें साथ लेकर बताई गई गलियों में पहुंचे जहां गंदगी थी ही नहीं और कर्मचारी भी नहीं थे। इस पर एसडीएम सफाई नायक पर भड़क गए और चेतावनी दी कि इस प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साफ-सफाई में दोबारा लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नगर के दिलीप सिंह, संजय मोदनवाल, बब्बन मोदनवाल, संदीप अग्रहरि, कृष्णा अग्रहरि, करन सेठ आदि मौजूद रहे और बताया कि गंदगी की समस्या हमेशा बनी रहती है। नगर पंचायत में शिकायत का भी कभी संज्ञान नहीं लिया जाता।

सीधे प्रवेश
100% Placement
15% Fee Concession
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पढ़ले आओ पढ़ले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

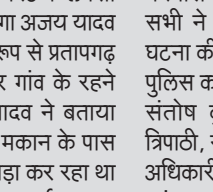
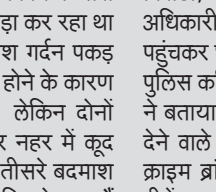
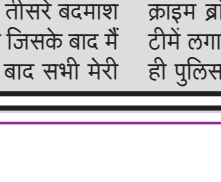

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक
फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

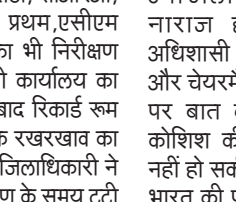
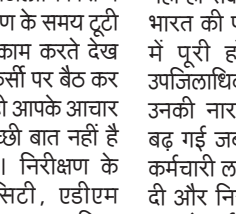
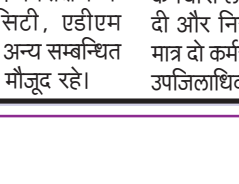

Apply Online: www.nainiti.com
Mail us at – info@nainiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

मदरसों के बच्चे मौलवी नहीं आइएएस-आइपीएस बनें वाराणसी में बोले यूपी सरकार के मंत्री धर्मपाल सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। वक्फ बोर्ड के अवैध कब्जे वाली जमीन को खाली कराकर उस पर लिए स्कूल, अस्पताल और पार्क बनवाए जाएंगे। मदरसों में पढ़ने वाले अल्पसंख्यक बच्चों को अब हिंदी, गणित, विज्ञान व सामाजिक विज्ञान की शिक्षा दी जाएगी। इससे

वे मौलवी न बनकर अब आइएएस व आइपीएस बनें। ये जानकारी मंगलवार को पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ, हज एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मपाल सिंह ने सर्किट हाउस में मीडिया को दी। कहा कि अब हुजूर के बच्चे ही हुजूर नहीं बल्कि मजदूर के बच्चे भी हुजूर बनेंगे। बताया कि एक सर्वे में जनपद में कुल 99 गैर मान्यता प्राप्त मदरसे प्रकाश में आए हैं। जिलाधिकारी वाराणसी के निर्देश के क्रम में 108 मान्यता प्राप्त एवं राज्य अनुदानित मदरसों का भी सत्यापन किया गया। दुग्ध नीति भी पास हो गया है। ऐसे में 30 एकड़ में किसी उद्यमी द्वारा पूंजी निवेश करने पर उसे 10 फीसद का अनुदान दिया जाएगा। साथ ही ब्याज में छूट मिलेगी। कुक्कुट नीति भी लाया गया है। बताया कि सभी विधानसभाओं में वृहद गो संरक्षण केंद्र बनाए जाएंगे जिसपर आठ से 12 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें 2000 से 4000 गोवंश रखे जाएंगे। बताया कि अभी 3.50 लाख गाएं बाहर घूम रही हैं। लंपी बीमारी की रोकथाम की सफलता पर उन्होंने बताया कि कोरोना की तरह लंपी पर भी काबू पा लिया गया है। सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता से पूर्व उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। इसमें पूर्वदशम एवं दशमोत्तर कक्षाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए आवेदन की जानकारी दी। बताया कि मनरेगा द्वारा चारागाह की भूमि पर नेपियर घास के रोपण की तैयारी चल रही है। जिले में दुग्ध विकास संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में वाराणसी दुग्ध संघ का कुल संकलन लगभग 260 समितियों से औसतन 20000-22000 लीटर है।

ओबरा स्थित आरती चित्र मन्दिर ग्राउंड पर देव दीपावली पर 11 हजार दीपों से जगमगाया घाट,भक्तिमय रहा माहौल

वाराणसी से आये आचार्यो ने की महाआरती,हुई पुष्प वर्षा व आतिशबाजी टी सीरीज की चर्चित गायिका मोहिनी द्विवेदी व वाराणसी से आये पुनीत पागल की प्रस्तुति ने बांधा समाँ

(आधुनिक समाचार सेवा)

ओबरा सोनभद्र। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व (देव दीपावली)पर देव दीपावली आयोजन समिति द्वारा ओबरा नगर के सेक्टर 8 स्थित आरती चित्र मन्दिर ग्राउंड पर धूमधाम से मनायी गई।ग्राउंड में छठ तट पर भव्य पूजन अर्चन कर सिंगार किया गया तत्पश्चात पूरे प्रांगण कार्यक्रम स्थल व घाट को फुल मालाओं से सजाया गया। स्थानीय कई विद्यालयो व कई ग्रुपों की बालिकाओं ने अपने अपने कला प्रतिभा से पूरे कार्यक्रम स्थल पर रंगोली बना कर एक अलग ही मनमोहक दृश्य दिया।जिसमे स्वच्छता अभियान,आत्मनिर्भर,भारत माता,अयोध्या मन्दिर पर बनी रंगोली अलौकिक संदेश देते नजर आए।कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिए बालिकाओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। शाम होते ही आरती चित्र मन्दिर ग्राउंड में रंगोली बने स्थानों पर व पूरे ग्राउंड में 11 हजार दीपो से दिए जलाकर काशी से पधारे विद्धवान आचार्यो द्वारा विधि विधान से महाआरती पूजन अर्चन के साथ पुष्पा वर्षा व आतिशबाजी भी की गई।जिससे ऐसा दृश्य देख लोग भावविभोर हो गए जैसे देवलोक से देवता स्वयं जमी पर उतर आए हो। ग्राउंड के चारो तरफ लाइट व जलते दिए के सजावट देखने ही बन रहा था।देव दीपावली समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लखनऊ से आई टी सीरीज की लोकप्रिय गायिका मोहिनी द्विवेदी व वाराणसी से चलकर आये पुनीत पागल द्वारा एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुति से लोग मंत्रमुग्ध हो गए।साथ ही प्रयागराज से आये भव्य राधे कृष्ण,शंकर पार्वती के मनमोहक झांकियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष मनीष सिंह व संयोजक विपुल शुक्ला ने सकुशल कार्यक्रम समापन होने पर सीमित के सभी सदस्यों व गणमान्यों का इस सफल भव्य आयोजन हेतु धन्यवाद ज्ञापित दिया।इस अवसर पर सदर विधायक भूपेश चौबे,कथा वाचक दिलीप भारद्वाज,समिति संरक्षक राजेन्द्र जिंदल,एड0 एस के चौबे,मनोज सोनकर, जिला कार्यालय मंत्री भाजपा विशाल गुप्ता,समाजसेवी रमेश कुमार सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रंजना सिंह, बीएमएस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शशीकांत श्रीवास्तव,बाबी सिंह,सतेंदर सिंह,देवेंद्र केशरी,विनोद केशरी,मुकेश बंसल,एड0 पुष्पराज भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह,नीरज भाटिया,वृष्णा गुप्ता,संतोष सिंह,राहुल गुप्ता,विष्णुदेव झा,अभिषेक अग्रहरि, सौरभ सिंह,कुमार सौरभ,प्रदीप कन्नौजिया,बृजेश शर्मा,सूरज मिश्रा सहित समस्त एबीवीपी के कार्यक्रम आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन संकट मोचन झा ने किया।

पदाधिकारियों एवम वरिष्ठ कार्यकर्ताओं कि बैठक संपन्न हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र । मंगलवार को नगर पंचायत चुनाव के मद्देनजर रखते हुए निषाद पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय बारी(डाला)पर नगर के कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के पदाधिकारियों एवम वरिष्ठ कार्यकर्ताओं कि बैठक संपन्न हुई। इस दौरान पार्टी में नगर के नए सदस्यों को भी सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर निषाद पार्टी के पूर्व ज़िला अध्यक्ष एवम वर्तमान वाराणसी सह प्रभारी रोहित कृष्ण बिंद, निषाद पार्टी ज़िला अध्यक्ष युवा मोर्चा अनिकेत निषाद, और ज़िला महासचिव युवा मोर्चा,गोविंद भारद्वाज,वरिष्ठ कार्यकर्ता फूलचंद चौधरी, विधान सभा अध्यक्ष रामचंद्र निषाद, डाला नगर के अध्यक्ष शुभम कन्नौजिया ,युवा मोर्चा ज़िला उपाध्यक्ष प्रकाश चौधरी उपस्थित रहें।

संदिग्ध परिस्थिति में लगी आग

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र । नगर पंचायत डाला बाजार स्थित चूड़ी गली में बंद मकान में अचानक आग लग गया। बन्द कमरे से धुआं देख स्थानीय शोर मचाने लगें। वही स्थानीयों ने ताला तोड़ आग पर काबू पाया । जानकारी के अनुसार चूड़ी गली निवासी बिजय व लल्लू पुत्र स्व0 रामाशंकर जो इस अपने नवनिर्मित मकान बाड़ी में निवास करते है। चूड़ी गली में पुराना मकान है जहां कुछ भूसा व कबाड़ पड़ा था । पीछे एक रोशन दान है। ऐसे में कैसे आग लगी , सोचने का विषय हैं। यह माना जाय कि स्थानीयों के सूझ बुझ से बड़ा हदशा टला।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र । एन. टी. पी. सी. के सिंगरौली स्टेशन मे सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन कर्मचारी विकास केंद्र में सायं 6 बजे से मुख्य अतिथि स्टेशन प्रमुख श्री बसुराज गोस्वामी के दीप प्रज्ज्वलन से किया गया । इसमें सप्ताह भर चले कार्यक्रम में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतरगत आयोजित विभिन्न प्रतियोगितायो के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया ।इस कार्यक्रम मे स्कूली छात्र-छात्राओ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई । इस अवसर पर स्टेशन के वरि0 अधिकारी, कर्मचारी, संविदा कर्मचारी स्कूली बच्चे तथा अभिभावकगण उपस्थित थे ।

मीरजापुर मेडिकल कालेज के निरीक्षण में प्रमुख सचिव को मिली खामियां व्यवस्था में सुधार लाने का निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । प्रमुख सचिव स्वास्थ्य व शिक्षा आलोक कुमार ने मंगलवार को मेडिकल कालेज के पुरुष व महिला सहित डेंगू वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सालय के इमरजेंसी व चिल्ड्रेन वार्ड आदि को देखा। डेंगू वार्ड में भर्ती मरीजों को मिल रही चिकित्सकीय सुविधा के बारे में जानकारी ली। महिला चिकित्सालय में पहुंचे तो वहां घोर लापरवाही पाई। कर्मचारियों द्वारा अस्पताल से छुट्टी देने के बाद नवजात बच्चों के स्वास्थ्य की मानिटरिंग नहीं किए जाने के कारण उनकी मौत होना पाया। बताया कि यह घोर लापरवाही है। इस तरह की गलतियां बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रमुख सचिव मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने के बाद सीधे मेडिकल कालेज के पुरुष चिकित्सालय पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले इमरजेंसी को देखा। वहां भर्ती मरीजों से उनका हाल जाना। मरीजों का किए जा रहे इलाज के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। कहा कि मरीजों का समुचित इलाज किया जाए। चिल्ड्रेन वार्ड में भर्ती चील्ह के चेतगंज निवासी शिव यादव पुत्र स्व. मनोज कुमार की हालत दयनीय देख उसकी स्थिति के बारे में पूछा तो उसकी बहन ने बताया कि शिव को कुछ दिन पहले बुखार आया था। दो दिनों से यहां लाई हैं, आराम नहीं मिला है। इस पर प्रमुख सचिव ने प्राचार्य से बच्चे की अच्छी तरह से इलाज कराकर ठीक करने का निर्देश दिया। कहा कि इसमें लापरवाही नहीं बरती जाए। इसके बाद वे डेंगू वार्ड पहुंचे। वहां एक नंबर पर भर्ती मांसी पांडेय निवासी बरौधा कछार के स्वास्थ्य के बारे बताया गया। स्वजनों ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व उसे डेंगू हुआ था। ब्लीडिंग हो रही थी। प्लेटलेट्स चढ़वाने पर अब कुछ आराम है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, शिक्षा एवं प्रतिरक्षण आलोक कुमार ने महिला चिकित्सालय पहुंचकर प्रसूती वार्ड, केएमसी रूम तथा शिशु गहन चिकित्सा ईकाई का निरीक्षण किया। उसमें चार बच्चे भर्ती पाए लेकिन स्टाफ न होने के कारण व्यवस्था ठीक नहीं है। भर्ती बच्चों का रजिस्टर मांगा तो उसमें स्वास्थ्य कर्मियों की घोर लापरवाही पाई। योजना और नियम के तहत बच्चों का इलाज नहीं किया जा रहा है। एक से लेकर सवा किलो तक के बच्चों के इलाज में लापरवाही बरती जा रही है। बच्चों को छुट्टी देने के बाद उनकी मानिटरिंग नहीं की जा रही है। इसके चलते सुनीता कोल का डेढ़ किलो का बच्चा अस्पताल से छुट्टी के एक सप्ताह बाद ही मर गया। इसके बाद पिपराडाड़ स्थित मेडिकल कालेज पहुंचकर वहां के आडीटोरियम में अधिकारियों के साथ बैठक की । कालेज के आगे के निर्माण व व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। इस दौरान 145 बेड के नए भवन को जनवरी तक महिला चिकित्सालय को हैंडओवर करने का निर्देश दिया। प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने मंडलीय चिकित्सालय के बगल में स्थित 145 बेड के नए भवन को जल्द पूरा करके महिला चिकित्सालय को हैंडओवर करने का निर्देश दिया। राजकीय निर्माण निगम के अग्निहोत्री से भवन के निर्माण के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि इस भवन में टोटी, शौचालय, लिफ्ट व फर्निशिंग का काम बचा है। जिसे करने में लगभग 20 दिन का समय लगेगा। जनवरी तक इसे हैंडओवर कर दिया जाएगा। इस पर उन्होने कालेज के प्राचार्य से भवन में जो काम कराना है उसकी सूची बनाकर राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर को देने का निर्देश दिया। जिसे वह बचे हुए काम पूरा करा लें। सीडीओ श्रीलक्ष्मी बीएस से पूरे कार्य की मानिटरिंग करने के लिए कहा। महिला चिकित्सालय के भवन को तोड़कर 200 बेड का नया भवन बनाया है। इसके लिए चिकित्सालय को मंडलीय चिकित्साकलय के 145 बेड के भवन में हैंडओवर करना होगा।

गंगा नदी में डूबने से युवक की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । चील्ह थाना क्षेत्र के भोगांव गंगा घाट पर मंगलवार को दोपहर में गंगा में स्नान के दौरान डूबने से युवक की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने एनडीआरएफ बुलाया। एनडीआरएफ ने खोजबीन के बाद युवक को बाहर निकला। पुलिस उसे लेकर मंडलीय अस्पताल गई। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। भदोही जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के हुसैनीपुर गांव निवासी किशन जायसवाल (30) पुत्र सतीशंकर जायसवाल उर्फ बाम्बे सेठ सुबह घर से चील्ह थाना क्षेत्र के भोगाव गांव में कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर लगने वाला मेला देखने अपने दो दोस्तों के साथ निकले थे। दोपहर करीब एक बजे गंगा में स्नान करने वाले लोग युवक के गंगा नदी में डूबने की बात कह कर शोर मचाने लगे। गांव के चौकीदार ने चील्ह पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची चील्ह पुलिस ने एनडीआरएफ को बुलाया। एनडीआरएफ तीन घंटे की मशक्कत के बाद शव को गंगा नदी से बाहर निकाला। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने भी मृत घोषित कर दिया। युवक के शरीर पर कत्थई रंग का टी शर्ट व बरमूडा था। नाक से खून बह रहा था। लोगों का कहना था कि पूरा कपड़ा पहन कर कोई स्नान नहीं करता है। युवक के साथ अनहोनी हुई है। उसके साथ आए दोनों लोग भी लापता थे। युवक के पिता महराजगंज के सराफा व्यवसायी हैं। चील्ह पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सदर शैलेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला डूबने से मौत होने का लग रहा है। शव बाहर आने पर युवक के शरीर पर टी शर्ट व बरमूडा था। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

विंढमगंज क्षेत्र में नही रुक रहा अबैध खनन व परिवहन का खेल

परासपानी से अवैध खनन में लिप्त ट्रैक्टर को पुलिस ने पकड़ा,हड़कंप

(आधुनिक समाचार सेवा)

विंढमगंज/ सोनभद्र। विंढमगंज रेंज व थाना क्षेत्र के अंतर्गत परासपानी में अवैध बालू का परिवहन कर रहे एक महिंद्रा ट्रैक्टर को डायल 112 पुलिस ने सुबह लगभग 6 बजे धर दबोचा जिसे थाना विंढमगंज को सुपुर्द कर दिया । पुलिस ट्रैक्टर को थाना परिसर में लाकर खड़ी कर अग्रीम कार्रवाई में जुट गया पुलिस की इस कार्रवाई से खननकर्ताओं में हड़कंप मच गया है ,ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक माह से पकडे गए ट्रैक्टर सहित दर्जनों टैक्टरों द्वारा देवडी ग्राम पंचायत से सटे कनहर नदी से खनन कर बालू का परिवहन किया जा रहा था। और एक रात में लाखों रुपये का राजस्व चोरी किया जा रहा था। पर्यावरण प्रेमियों ने उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि आखिर किसके इसारे पर विंढमगंज क्षेत्र में अबैध खनन व परिवहन बेखौफ हो रहा हैं और जिमेदार बेखबर हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक सूर्यभान ने बताया कि अवैध बालू के खनन व परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कदम बार-बार उठाए जा रहे हैं। किसी भी सूरत में बालू का अवैध खनन व परिवहन नहीं होने दिया जाएगा। पकड़े गए ट्रैक्टर की सूचना खनन विभाग के उच्च अधिकारियों को कर दी गई है खनन विभाग के संबंधित अधिकारी के द्वारा कठोर कानूनी कार्रवाई अवश्य की जाएगी।

दीपोत्सव देखने के लिए घाटों पर जुटे श्रद्धालु

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। कार्तिक पूर्णिमा पर ग्रहण काल समाप्त होते ही मंगलवार को कचहरीघाट सहित अन्य गंगाघाट दीपों से जगमग उठे। गंगा सेवा समिति की ओर से पांच हजार दीप जलाए गए। कचहरीघाट पर दीपोत्सव से पूर्व गंगा सेवा समिति की ओर से मां गंगा की आरती व पूजन किया गया। दीपोत्सव का नजारा देखने के लिए घाट पर काफी संख्या में श्रद्धालु जुटे रहे। इस दौरान मां गंगा की मूर्ति का अनावरण किया गया। इस दौरान पप्पू श्रीवास्तव, शिव उपाध्याय, संतोष सेठ, अशोक , बिहारी, रामचंद्र सोनकर, मनीष त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। उधर, मंगलवार को चुनार सहित अन्य क्षेत्रों में गंगाघाट व विभिन्न मंदिर दीपों से सजाए गए। गंगा घाट पर काफी संख्या में लोग पहुंचे। मंदिरों में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। नयनागढ़ महोत्सव समिति व चुनार क्लब की ओर से उत्तरामुखी गंगातट व किला घाट पर देव दीपावली का आयोजन किया गया। गंगाघाट पर दीपदान करने के लिए भारी संख्या में नगर वासी व आसपास के ग्रामीण पहुंचे। महोत्सव समिति सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा 51000 दीपदान किए गए। गंगा के किनारे शृंखलाबद्ध दूर तक दिखाई दे रहे दीप अद्भुत छठा बिखेर रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो जैसे सभी दीप देवताओं के स्वागत के लिए आतुर हों। दीपदान से पूर्व महोत्सव समिति की ओर से स्टेशन रोड से मां गंगा की शोभायात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा दरगाह शरीफ, भरपुर, कोतवाली मार्ग, सराफा बाजार, चौक बाजार, गोला बाजार से होते हुए बालूघाट गंगातट पर पहुंची। जहां मां गंगा की आरती के बाद भव्य दीपदान का कार्यक्रम शुरू हुआ। शोभायात्रा में भजन कीर्तन व प्रयागराज के कलाकारों द्वारा राधा कृष्ण, शिव तांडव, कृष्ण सुदामा की भव्य झांकी दिखाई गई। कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने में महोत्सव समिति के इं. सभाजीत सिंह, दिनेश सिंह पटेल, अखिलेश सिंह, अफसर अली, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव, रामदुलार प्रजापति, राजू गुप्ता व चुनार क्लब के इं. सर्वेश सिंह, वीर सिंह पटेल, पुलकित सिंघल, सुरेश प्रजापति, अभिषेक वर्मा, ऋतुराज विश्वकर्मा, प्रदीप जायसवाल आदि सहयोग में लगे रहे। उधर, सीखड़ क्षेत्र में बावन जी घाट पर दीपदान व मां गंगा की आरती की गई। इस अवसर पर बावन जी घाट को 5100 दीपों से सजाया गया। इस दौरान अजित पांडेय, मुकेश पांडेय, सौरभ, अखिलेश तिवारी, चंद्रमौली, धनंजय मिश्रा आदि मौजूद रहे। जमालपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत मठना में राम-जानकी एवं शिव मंदिर परिसर में 11 हजार, एक सौ ग्यारह दीप जलाए गए। रातभर कीर्तन-भजन का दौर चलता रहा।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर ।मंडलीय अस्पताल में सोमवार को देर रात उपचार के लिए आई महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। डॉक्टरों ने परिजनों को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। मध्य प्रदेश के बड़गड़ी निवासी मनी और उनकी पत्नी चंद्रावती मिर्जापुर के राजगढ़ में मजदूरी करते थे। छह माह पहले शादी हुई थी। सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में चंद्रावती बीमार हो गईं। पति और उनकी मां रानी उन्हें लेकर मंडलीय अस्पताल आए। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। संदिग्ध मौत होने पर शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया। शहर कोतवाल अरविंद मिश्र ने बताया कि परिजन पोस्टमार्टम नहीं करवाना चाहते हैं। मायके पक्ष के लोग आ रहे हैं। उनके आने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

दूषित भोजन के सेवन से डायरिया की चपेट में आए चार लोग

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । राजगढ़ क्षेत्र के चौखड़ा के भागलपुर गांव में सोमवार की रात में डायरिया की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने सभी को खतरे से बाहर बताया है। ग्राम पंचायतों में फैली गंदगी व दूषित पानी से मच्छर जनित व संक्रामक बीमारियां फैल रही हैं। सोमवार की रात राजगढ़ विकास खंड के चौखड़ा के भागलपुर गांव में दूषित जल के सेवन व बासी भोजन करने के कारण एक ही परिवार के चार लोग डायरिया की चपेट में आ गए। डायरिया की चपेट में आने वालों में सावित्री (30) पत्नी रंजीत, मोहिनी (8) पुत्री रंजीत, रंजीत (35) पुत्र राजनारायण और विक्रांत (6) पुत्र रंजीत शामिल हैं। इन्हें रात में उल्टी-दस्त होने लगी। पड़ोसियों ने 108 नंबर डायल कर एंबुलेंस बुलवाया। एंबुलेंस से सभी को सोमवार को देर रात ले जाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया गया। इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ. संतलाल ने बताया कि बासी भोजन करने, कीटनाशक दवा के छिड़काव के बाद चने का साग खाने और प्रदूषित पानी पीने की वजह से फूड प्वाइजनिंग के कारण सभी को उल्टी दस्त होने लगी है। इसकी वजह से एक ही परिवार के चार लोग डायरिया की चपेट में आ गए। सभी का इलाज चल रहा है। एक बच्चे को छोड़कर सभी मरीज खतरे से बाहर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले रोहित शर्मा ने बताया कैसी है उनकी फिटनेस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2022 के दूसरे सेमीफाइनल मैच से ठीक पहले प्रेस कांफ्रेंस में हिस्सा लिया। इस दौरान

उन्होंने कई बातों पर चर्चा की साथ ही टीम कांबिनेशन और अपनी फिटनेस को लेकर भी जानकारी दी। हिटमैन ने नाकआउट मैचों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए कहा कि हम नाकआउट मैच की इंपोर्टेंस को समझते हैं लेकिन एक मैच का खराब प्रदर्शन आपको खराब नहीं बता सकता। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मैच को लेकर उन्होंने कहा कि हमें अच्छा खेलना होगा। नाकआउट में आपको अच्छा करना होगा लेकिन आपको ये नहीं भूलना होगा कि खिलाड़ियों और टीम ने इतिहास में क्या अच्छा किया है। मैं इस पर विश्वास नहीं करता कि एक मैच आपको डिफाइन करे। पिछले साल दुबई में हमें पता था कि ग्राउंड की बाउंड्री पर ज्यादा चेंज नहीं है। आस्ट्रेलिया में कहीं बड़ी बाउंड्री है तो, कहीं छोटी हैं। कहीं एक तरफ से छोटी है तो आपको उसके हिसाब से एडजस्ट करना होगा। हमने इसको लेकर काफी बात की है। हमने कोशिश की कि जल्द से जल्द एडजस्ट करें। रोहित शर्मा ने अक्षर पटेल के बारे में कहा कि हम उनके प्रदर्शन से परेशान नहीं हैं। उन्हें ज्यादा ओवर करने को नहीं मिले है। हमें ऐसी परिस्थिति नहीं मिली कि हम उन्हे पावरप्ले में गेंदबाजी करा सकें जो उनका मजबूत पक्ष है। मुझे लगता है कि वह अच्छी परिस्थिति में हैं। वहीं सूर्यकुमार यादव के बारें में कप्तान ने कहा कि वो ऐसा व्यक्ति है कि जो अपने साथ बैगेज लेकर नहीं चलता। मैं सूटकेस की बात नही कर रहा। वह बहुत शॉपिंग करता है। वह जिस तरह से बल्लेबाजी करना चाहता है वैसे ही करता है चाहे टीम का स्कोर 10/2 हो या 100/2 हो। उसने मुझसे कहा था कि उसे छोटे नहीं बड़े ग्राउंड पसंद हैं क्योंकि वहां बड़े गैप दिखाई देते हैं। छोटे गैप पसंद नहीं। अपनी फिटनेस के बारे में रोहित शर्मा ने कहा कि वो पूरी तरह से ठीक हैं और अच्छा महसूस कर रहे हैं। वहीं उन्होंने आगे कहा कि जिम्बाम्बे के मैच से पहले हमें नहीं पता था कि हमारा सेमीफाइनल किससे होगा। रिषभ ने इस टूर में गैरआधिकारिक अभ्यास मैच के अलावा कोई मैच नहीं खेला था। हमें नहीं पता था किससे सेमीफाइनल होगा। किसी को आप सीधे सेमीफाइनल में नहीं उतार सकते। हम सोचा कि अगर हमे बाएं हाथ के बल्लेबाज की आवश्यकता होगी तो पंत को जिम्बाम्बे के खिलाफ उतारा। अगले मैच के लिए दोनों विकेटकीपर उपलब्ध हैं और गुरुवार को फैसला करेंगे कौन खेलेगा।

सूर्या को याद कर खौफ में है यह गेंदबाज, बोले- आउट होने तक उन्होंने मेरा मर्डर ही कर दिया था

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल मैच में एडिलेड के मैदान पर इंग्लैंड से भिड़ेगी। इस मैच में कई ऐसे मजबूत पक्ष हैं जो टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ फेवरेट बनाती है। इस वर्ल्ड कप की बात करें तो के खिलाफ 55 गेंद पर 117 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। सूर्या ने उस मैच में इंग्लैंड के हर गेंदबाज की जमकर खबर ली थी और 14 चौके और 6 छक्के लगाए थे। इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली ने स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा

विराट के अलावा सूर्यकुमार यादव ऐसे बल्लेबाज हैं जिनसे इंग्लैंड का हर खिलाड़ी निपटने की प्लानिंग कर रहा है या यूं कहें कि खौफ में है। दरअसल हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी देखी थी जिसके बाद उनके गेंदबाज खौफ में हैं। सूर्या ने उस मैच में इंग्लैंड कि वह वर्ल्ड के बेस्ट बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा कि वह टी20 क्रिकेट को अलग ही लेवल पर ले गए हैं। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि वह पहले ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें आप गेंदबाजी नहीं कर सकते जब वह अच्छा खेल रहा हो, यह बहुत मुश्किल है और उनकी कमजोरी पता नहीं चलती है।

ब्रिटिश राज रेस्तरां में खाना खाकर अंग्रेजों से सेमीफाइनल में लड़ेगी भारतीय टीम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पिछले साल भारत की मेजबानी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हुए टी-20 विश्व कप में टीम इंडिया सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ की टीम ने

इस बार आस्ट्रेलिया में ग्रुप-2 में शीर्ष में रहते हुए अंतिम-चार में जगह बनाई है और गुरुवार को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होना है। भारत को इस कठिन मुकाबले के लिए मैदान में तो अच्छा करना ही होगा, उससे पहले एकजुट और खुश रहना होगा। उसी को देखते हुए द्रविड़ ने मंगलवार को एडिलेड में सभी को रात्रि भोज कराया। इसमें भारतीय क्रिकेटर, उनकी पत्नी और प्रेमिका शामिल रहीं। द्रविड़ चाहते थे कि इतने बड़े मैच से पहले माहौल खुशनुमा रहे और खिलाड़ी दबाव महसूस नहीं करें। अगर टीम बांडिंग बेहतर रहेगी तो सेमीफाइनल जीतने में आसानी होगी। ब्रिटिश राज-इंडियन रेस्तरां में खाया खाना : भारत को अगला मैच इंग्लैंड से खेलना है और उससे पहले टीम ब्रिटिश राज-इंडियन रेस्तरां में खाना खाने गई। टोरेंसविले की हेन्ली बीच रोड पर स्थित यह रेस्तरां चिकन टिक्का, कश्मीरी पुलाव और रोगन जोश के लिए प्रसिद्ध है। सूत्र के अनुसार भारतीय टीम जब भी पहले एडिलेड दौरे पर आई है तो खिलाड़ी इस रेस्तरां में ही खाना खाने जाते थे। उन्हें यहां का खाना पसंद है। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अन्य टीमों के मुकाबले ज्यादा सफर किया है। खिलाड़ियों को आराम करने और विश्व कप जैसे कड़े टूर्नामेंट में होने वाले दबाव से ध्यान हटाने का अधिक मौका नहीं मिला है। आस्ट्रेलिया के अंदर भी काफी उड़ान लेनी पड़ी। दूसरा सेमीफाइनल एक दिन बाद होने के कारण यहां पर थोड़ा सा मौका मिला। द्रविड़ जब जूनियर टीम के कोच थे तब एक बार अंडर-19 विश्व कप से पहले टीम को बूट कैंप में ले गए थे। जब वह कप्तान थे तब भी इस तरह की गतिविधियां होती रहती थीं। अब कोच के तौर पर भी विश्व कप के अब तक के सबसे महत्वपूर्ण मैच से पहले उन्होंने टीम बांडिंग के लिए यह तरीका अपनाया। जानकारों का कहना है कि टीम बांडिंग से खिलाड़ी और करीब आते हैं। सबको आपस में बात करने का मौका मिलता है। सबके परिवार आपस में मिलते हैं। वहां पर क्रिकेट को छोड़कर इधर-उधर की बातें होती हैं जिससे दबाव कम होता है। व्यस्त रहा है टीम इंडिया का सफर : टीम टूर्नामेंट शुरू होने के कई दिन पहले ही मुंबई से पर्थ पहुंच गई थी। टीम सात दिन पर्थ में रुकी जहां उसने कड़ी ट्रेनिंग की और दो अभ्यास मैच में हिस्सा लिया। रोहित की टीम ने इसके बाद दो आधिकारिक अभ्यास मैचों में हिस्सा लिया। हालांकि ब्रिसबेन में एक मैच वर्षा की भेंट चढ़ गया था। इसके बाद चार दिन मेलबर्न, फिर चार दिन सिडनी और तीन दिन पर्थ (अलग-अलग टाइम जोन) में रुकी। टीम ने इसके बाद तीन दिन एडिलेड और तीन दिन मेलबर्न में बिताए। अब फिर टीम एडिलेड में है। अगर सेमीफाइनल रद हुआ तो भारत फाइनल में एडिलेड : दोनों सेमीफाइनल के लिए रिजर्व डे रखा गया है और अब वर्षा की संभावना भी नहीं है।

सेमीफाइनल मुकाबले में ऐसी हो सकती है न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की प्लेइंग 11

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान का सामना न्यूजीलैंड टीम के साथ होगा। यह मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। पाकिस्तान की संभावित प्लेइंग 11 की बात करें तो बाबर आजम की अगुवाई वाली पाकिस्तान टीम, चार

तेज गेंदबाजों के साथ न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान में उतरने की कोशिश करेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद वसीम जूनियर, हारिस रऊफ और नसीम शाह को पाकिस्तान के प्लेइंग 11 में शामिल किया जाएगा। ऑलराउंडर की बात करें तो मोहम्मद नवाज और शादाब खान, दोनों ही शानदार बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। नंबर पांच और छह पर क्रमशः डेरेल मिचेल और जेम्स निशम बल्लेबाजी करते नजर आऐंगे। गेंदबाजी की बात करे तो ट्रेंट बौल्ट और टीम साउदी पर तेज गेंदबाजी का दोरमदार रहेगा। मिचेल सेंटनर, ईश सोढी को भी प्लेइंग 11 में शामिल किया जा सकता है। पाकिस्तान की संभावित प्लेइंग 11: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद हैरिस, शान मसूद, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद नवाज, शादाब खान, मोहम्मद वसीम जूनियर, हारिस रऊफ, नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी. न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग 11: डेवॉन कॉनवे (विकेटकीपर), फिन एलन, केन विलियम्सन (कप्तान), ग्लेन फिलिप्स, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, मिचेल सैंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट और लॉकी फर्ग्यूसन.पाकिस्तान की टीमः बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद हैरिस, शान मसूद, मोहम्मद नवाज, खुशदिल शाह, आसिफ अली, हैदर अली, इफ्तिखार अहमद, हारिस रऊफ, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद वसीम, शादाब खान, मोहम्मद हसनैन न्यूजीलैंड की टीमः केन विलियम्सन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवॉन कॉनवे (विकेटकीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गप्टिल, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी।

क्या हो अगर न्यूजीलैंड पाकिस्तान सेमीफाइनल मैच में हो जाए बारिश

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के पहले सेमीफाइनल में सिडनी में आज बुधवार को न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल

भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को खेला जाएगा। बारिश की वजह से सुपर-12 मैच प्रभावित हुए हैं। इसी देखते हुए घ्ण् ने मास्टर प्लान बनाया है ऑस्ट्रेलिया के सरकारी मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को सिडनी में आसमान साफ रहेगा। तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 20 प्रतिशत चांस है कि बरिश हो। अगर पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के मैच के दौरान बारिश होती है तो घ्ण् ने जो नियम बनाए हैं उनके तहत तय किया जाएगा कौन सी टीम फाइनल में जाएगी।ऑस्ट्रेलिया के मौसम को ध्यान में रखते हुए आइसीसी ने इस बार सेमीफाइनल और फाइनल मैच के लिए रिजर्व डे रखा गया है। बारिश होने की स्थिति में तय दिन का खेल नहीं हो पाया तो उसे रिजर्व डे में खेला जाएगा।

राशिफल

मेष-:रियल एस्टेट से जुड़े निवेश से आपको अच्छा मुनाफा होगा. परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊंचे लक्ष्य की प्राप्ति की दृष्टि से जानबूझ कर थोड़ा जोखिम उठाया जा सकता है।

वृष-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आप कोई खास काम करना चाहते हैं तो आज का दिन बेहतर है। कोई बड़ी जिम्मेदारी आपको मिल सकती है।

मिथुन-:आज आप अपने जीवन साथी के स्वभाव में गंभीरता का अनुभव करेंगे. व्यापार में आज कोई जोखिम न लें। लोगों को पैसे उधार देने से बचें। आप भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

कर्क-:स्वास्थ्य को लेकर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

सिंह-:आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव हो सकता है। परिवार के कारण आपका मूड थोड़ा खराब हो सकता है। आप खुद को व्यस्त रखने की कोशिश करेंगे।

कन्या-:आज आपको अपने परिवार वालों से कोई उपहार मिल सकता है. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। विद्यार्थी भी मन लगाकर मेहनत करेंगे। कड़ी मेहनत के कारण आपको सफलता मिलेगी।

तुला-: निवेश से जुड़े अहम फैसले किसी और दिन के लिए छोड़ देने चाहिए. शाम को अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या मूवी देखना आपको सुकून और खुशी का अनुभव कराएगा।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। इस राशि के छात्रों के मन में सकारात्मक विचार आएंगे।

धनु-:आज नौकरी के क्षेत्र में किया गया प्रयास सफल होगा. परिवार के सदस्यों के साथ संबंध और मधुर होंगे। प्रेम संबंधों को लेकर आप काफी उत्साहित रहेंगे।

मकर-:अचानक से परेशानी के कारण परिवार की शांति भंग हो सकती है. लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि समय सब कुछ ठीक कर देगा। परेशानी का सामना शांति से करना समय की मांग है।

कुंभ-:आज आपको मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. घर का काम समय पर पूरा करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। आप नई चीजों को जानने के लिए उत्सुक रहेंगे।

मीन-:आज आपका जीवन के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक रहेगा. चुप रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। भविष्य की योजनाओं के बारे में गहराई से सोचें। प्यार आपके शरीर और दिमाग पर हावी है।

भारत नहीं सेमीफाइनल में इंग्लैंड के जीतने की संभावना क्यों है ज्यादा, शाहिद अफरीदी ने बताया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सुपर 12 स्टेज में टीम इंडिया ने 8 अंक हासिल किए थे और अपने ग्रुप मे टाप पर थी तो वहीं 12 टीमों में रोहित शर्मा की टीम ने सबसे ज्यादा प्वाइंट अर्जित किए थे। भारतीय टीम को अब टी20 वर्ल्ड कप 2022 के दूसरे सेमीफाइनल मैच में जोस बटलर की कप्तानी वाली मजबूत इंग्लैंड के साथ भिड़ना है जो काफी अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सुपर 4 में पहुंची थी। आइसीसी रैंकिंग में भी भारतीय टीम इस वक्त पहले स्थान पर है तो वहीं इंग्लैंड की टीम दूसरे नंबर पर मौजूद है। स्टेज में टीम इंडिया ने 8 अंक हासिल किए थे और अपने ग्रुप मे टाप पर थी तो वहीं 12 टीमों में रोहित शर्मा की टीम ने सबसे ज्यादा प्वाइंट अर्जित किए थे। भारतीय टीम को अब टी20 वर्ल्ड कप 2022 के दूसरे सेमीफाइनल मैच में जोस बटलर की कप्तानी वाली मजबूत इंग्लैंड के साथ भिड़ना है जो काफी अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सुपर 4 में पहुंची थी। आइसीसी रैंकिंग में भी भारतीय टीम इस वक्त पहले स्थान पर है तो वहीं इंग्लैंड की टीम दूसरे नंबर पर मौजूद है। शाहिद अफरीदी ने कहा कि जहां तक बैलेंस का सवाल है तो दोनों टीमें लगभग बराबर हैं और इस टूर्नामेंट में दोनों का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है, लेकिन जहां तक मेरा विचार है मैं इंग्लैंड को भारत से 60-65 फीसदी ज्यादा रखूंगा। मुझे लगता है कि इंग्लैंड की टीम का कांबिनेशन बहुत ही ज्यादा अच्छा है चाहे आप उनकी बल्लेबाजी, गेंदबाजी या फिर स्पिन अटैक को ही देखें। वहीं उन्होंने कहा कि ये एक बड़ा मैच होगा और जो टीम कम गलतियां करेंगी साथ ही साथ टीम के सभी 11 खिलाड़ी अपना 100 फीसदी देंगे जीत उसे ही मिलेगी।

मैच से पहले पिच देखने पहुंचे रोहित शर्मा, कोच ने कहा था- इस आधार पर तय होगी प्लेइंग इलेवन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत गुरुवार को एडिलेड में घ्ण् ऊ20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा। इसको लेकर दोनों टीमों की तैयारी चल रही है। एडिलेड पहुंची दोनों टीमों ने प्रैक्टिस में हिस्सा लिया। टी20 विश्व कप साथ ही पिच का आंकलन किया। इसका एक वीडियो आइसीसी ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। रोहित ने मैदान का निरीक्षण करने के बाद टीम स्टाफ से बातचीत भी की। बता दें कि एडिलेड ओवल की दोनों ओर की बॉउंड्री छोटी, जबकि स्ट्रेट बॉउंड्री लंबी है। रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ

टूर्नामेंट के इतिहास में भारत के चौथी बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। ऐसे में सभी की निगाहें कप्तान रोहित शर्मा पर हैं, क्योंकि वह अब तक बेहतरीन लय में नजर नहीं आएं हैं। मैच से पहले रोहित ने एडिलेड ओवल मैदान का निरीक्षण किया। छोटी बॉउंड्री को निशाना बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं एक दिन पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा था वह इंग्लैंड के खिलाफ उस प्लेइंग इलेवन के साथ उतरेंगे जो एडिलेड की कंडिशन के अनुसार फिट होगी।

शार्दुल ठाकुर और 4 अन्य खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड 2022 के दूसरे सेमीफाइनल मैच में भारत का मुकाबला इंग्लैंड से होने वाला है। इसी बीच मंगलवार को आइपीएल को लेकर एक दिलचस्प

खबर सामने आई है। बता दें कि 15 नवंबर तक सभी आइपीएल टीमों को अपने रिलीज किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट बीसीसीआइ को सौंपनी है। समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार आइपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स, तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर, न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट समेत पांच खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है। आइपीएल की सभी टीमों को 15 नवंबर से पहले रिटेन खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली ने शार्दुल और सीफर्ट के अलावा केएस भरत, मनदीप सिंह और अश्विन हेब्बार को रिलीज करेगी। शार्दुल को पिछली नीलामी में दिल्ली ने 10.75 करोड़ रुपये में शार्दुल को खरीदा था। तेज गेंदबाज ने 14 मैचों में 15 विकेट लिए और करीब 10 रन प्रति ओवर के हिसाब से रन लुटाए। कैपिटल्स की टीम शार्दुल को अन्य टीमों से ट्रेड भी करना चाहती थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। इस बीच, अडंर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान यश धुल को टीम ने रिटेन करने का फैसला किया है। हालांकि धुल को बीते सत्र में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। नीदर्लैंड्स के पूर्व कप्तान रयान टेन डोशचेट को कोलकाता नाइटराइडर्स ने क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया है। 42 वर्षीय डोशचेट 2012 और 2014 में ट्राफी जीतने वाली केकेआर टीम के सदस्य थे। वह क्षेत्ररण कोच जेम्स फोस्टर की जगह लेंगे, जिन्हें टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। ये दोनों मुख्य कोच चंद्रकांत पाटिल के अधीन काम करेंगे।

सम्पादकीय

ग्रह के सबसे असाधारण वैश्विक यात्री

जलचर पक्षियों को हम सभी ने अक्सर जलाशयों के किनारे देखा होगा और चूंकि ये अक्सर किनारो पर ही पाए जाते है इसलिए इन्हे शोरबड्र्स या वेडर्स के नाम से जाना जाता है। शोरबर्ड या वेडर्स काडरिफोर्म्स क्रम के छोटे से मध्यम आकार के पक्षी हैं जो अक्सर तटरेखा और आर्द्रभूमि से जुड़े होते हैं। शोरबर्ड पक्षियों के एक विविध समूह हैं, जिसमें सैंडपाइपर, प्लोवर, एवोकेट, ऑयस्टरकैचर और फालारोप्स जैसे शोरबड्र्स शामिल हैं। अधिकांश शोरबर्ड पानी के पास पाए जाते हैं, लेकिन कई प्रजातियां किनारे से दूर निवास करना भी पसंद करते हैं। कई प्रजातियां लंबी दूरी की प्रवासी हैं, जो हर साल आर्कटिक टुंड्रा में प्रजनन के मैदान से दक्षिणी दक्षिण अमेरिका में गैर-प्रजनन मैदानों की यात्रा करती हैं। दुनिया में शोरबर्ड की लगभग 200 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं और ये अक्सर रेतीले समुद्र तटों, गीली मिटटी, या चट्टानी तटों से लेकर मीठे पानी के आर्द्रभूमि, घास के मैदानों, जुताई वाले खेतों और बाढ़ वाली कृषि भूमि में पाए जाते हैं।शोरबड्र्स मुख्य रूप से मोलस्क, छोटे क्रस्टेशियंस और समुद्री कीड़ो को खा कर अपना गुजर बसर करते हैं। अधिकांश प्रजातियां मिट्टी या उजागर मिट्टी से निकाले गए छोटे अकशेरुकी जीवों को खाती हैं और इसलिए इनकी चोंच का आकर लम्बा होता है जिससे ये आसानी से मिटटी या पानी में दबे हुए कीड़ो को निकलने में सक्षम होते है।इधर कई नाविकों के पास चोंच के अंत में संवेदनशील तंत्रिका होते हैं जो उन्हें कीचड़ में छिपे शिकार की वस्तुओं का पता लगाने में सक्षम बनाते हैं। शहरी क्षेत्रों में कुछ वैडर आम हैं, जो अक्सर पार्क और गोल्फ कोर्स जैसे स्थानों पर पाए जाते हैं जिनमें झीलें या तालाब शामिल हैं जो इन्हे उपयुक्त आवास प्रदान करते हैं। इस समूह में लंबे पैरों वाले पक्षी जैसे सारस और बगुले शामिल हैं। अनोखे ट्रैवेलर्स कई वैडर प्रजातियां प्रवासी हैं, जो कई हजारों किलोमीटर की यात्रा करती हैं। जैसे जैसे उनकी वर्तमान जलवायु कठोर और चुनौतीपूर्ण हो जाती है वे हजारों मील की यात्रा करते हुए, आगे की और बढ़ चलते हैं। वे उन जगहों पर चले जाते हैं जहां की जलवायु उनके लिए अधिक सौम्य और कम तनावपूर्ण होती है।उदाहरण के लिए, जून में आर्कटिक प्रजनन मैदान 24 घंटे सूरज की रोशनी प्रदान करते हैं, दिन के उजाले के दोगुने घंटे होने से शोरबड्र्स को ऊर्जा को खिलाने और स्टोर करने के लिए बहुत अधिक समय मिलता है। इसीलिए शायद प्रवास से पहले कई पक्षी ज्यादा खाना खाते हैं ताकि उनके शरीर पर वास की एक मोटी परत बन जाये जो प्रवास के दौरान उन्हें समय समय पर ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम हो जिससे उनकी यात्रा निरंतर चलती रहे । उड़ने में सक्षम होना बहुत से लोगों का सपना होता है, और उड़ान में हजारों किलोमीटर की यात्रा करने में सक्षम होना सच में बहुत अद्भुत है जब शोरबड्र्स का एक झुंड अपनी यात्रा के अगले चरण में उड़ान भरता है, तो देखें कि वे कैसे ऊपर की ओर चक्कर लगाते हैं जिसमे कुछ एक विशाल तीर की तरह आगे बढ़ने से पहले आकाश में एक सुंदर ठवीत फॉर्मेशन भी बनाते हैं। शोरबड की अन्य विशेष विशेषताओं में उनके चिकना डिजाइन, भोजन के लिए विशेष चोंच और विशेषज्ञ शिकार कौशल शामिल हैं। प्रवासी पक्षियों के बीच शोरबर्ड निर्विवाद रूप से मैराथन चैंपियन हैं। शोरबर्ड की लगभग 20 प्रजातियों को 5,000 किलोमीटर, या 3,100 मील . से अधिक लंबी नॉनस्टॉप उड़ानें बनाते हुए दर्ज किया गया है। इस समूह का सबसे छोटा सदस्य सैंडपाइपर है, जिसके छोटे वयस्क का वजन लगभग 15.5 ग्राम तक होता है और केवल 13 सेमी के होते है।माना जाता है कि सबसे बड़ी प्रजाति सुदूर पूर्वी कर्लेव है, जिसका वजन लगभग 900 ग्राम है और इसका माप लगभग 65 सेमी है हालांकि समुद्र तट मोटा-घुटा हुआ लगभग 1 किलो वजनी है पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम और शोरबर्ड शोरबर्ड तटीय खाद्य जाले का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं क्योंकि वे अकशेरूकीय के प्रमुख उपभोक्ता हैं। विभिन्न कारकों के कारण लंबी अवधि में शोरबड समृद्धि और बहुतायत में कमी आ सकती है, जैसे निवास स्थान के नुकसान का संयोजन, उच्च ज्वार पर पहुंच में कमी और बख्तरबंद समुद्र तटों पर शिकार की उपलब्धता में कमी। चूंकि समुद्री पक्षी आर्द्रभूमि पर निर्भर होते हैं, वे आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य के अच्छे संकेतक होते हैं।एक संकेतक प्रजाति का स्वास्थ्य जीवविज्ञानियों को उस आवास का उपयोग करने या बनाने वाले अन्य प्राणियों के स्वास्थ्य के बारे में काफी कुछ बताता है।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया
चीन का सिने-इतिहास

1933-37 को चीनी सिने-इतिहास में प्रथम स्वर्ण युग के नाम से जाना जाता है। इस काल में 'स्ट्रीट एन्जेल', 'द पीच गर्ल', 'गोडेस' जैसी फिल्में बनीं जो यथार्थ पर आधारित थीं और जिनके केंद्र में स्त्री जीवन था। पश्चिम में प्रारंभ से चीन फ़ंतासी के रूप में परदे पर रहा है, एक ऐसा स्थान जहां दिवा-स्वपन देखे जा सकते हैं अथवा यौन संतुष्टि की जा सकती है। बाहर की फ़िल्मों में चीनी चरित्र मजाक का बायस होता है। जब यह सब हद पार कर गया तो चीन की सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा। चीन में भले ही सिनेमा का अन्वेषण न हुआ हो मगर 1896 में चीन सिनेमा से परिचित हो गया था। जल्द ही वहां फिल्में बननीं प्रारंभ हुईं और 1905 में उसकी पहली फ़िल्म 'डिन्गजुन माउंटेन' बन कर तैयार थी। शुरू में चीन की फ़िल्मों का मुख्य कथानक 'एक्शन' हुआ

करता था। तीसरे दशक तक अमेरिका के फ़िल्म तकनीशियन चीन के सिने-तकनीशियन को प्रशिक्षित कर रहे थे। अतः चीन की फिल्मों पर अमेरिकी प्रभाव था। उस समय चीन का शांघाई फ़िल्म निर्माण का केंद्र था। सिने-इतिहास में प्रथम स्वर्ण युग 1933-37 को चीन सिने-इतिहास में प्रथम स्वर्ण युग के नाम से जाना जाता है। इस काल में 'स्ट्रीट एन्जेल', 'द पीच गर्ल', 'गोडेस' जैसी फ़िल्में बनीं जो यथार्थ पर आधारित थीं और जिनके केंद्र में स्त्री जीवन था। अन्य देशों की भांति चीन में भी स्त्री जीवन आसान न था। 'द पीच गर्ल', 'गोडेस' की बेहतरीन नायिका रुआन लिन्यु ने मात्र 25 साल की उम्र में आत्महत्या की थी, हालांकि वह इतनी लोकप्रिय थी कि न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार अंतिम यात्रा का जलूस तीन मील लंबा था। इस दौरान सिया यान की 'टोरेंट्स' (1933), युआम मुझी की 'स्ट्रीट एन्जेल' (1937), शी शिलिंग की 'क्रॉसरोड' (1937) आदि कई नामचीन फ़िल्में बनी। लेकिन इसके साथ ही कई 'ब्लू' फ़िल्म तथा हॉरर फ़िल्में भी बनीं। सिने-इतिहास का दूसरा स्वर्ण युग चीन के सिने-इतिहास का दूसरा स्वर्ण युग 1947 से 1949 तक माना जाता है। इस दौरान 'द स्प्रिंग रिवर फ़्लोज ईस्ट' (काई चुशेन्ग) 'स्प्रिंग इन ए स्मॉल टाउन' (फ़ेइ मु), 'क्रोज एंड स्पैरोज' (झेन्ग जुन्ली) जैसी फिल्में बनीं। 'स्प्रिंग इन ए स्मॉल टाउन' को चीन की सब कालों की श्रेष्ठ कहा जाता है। 1948 में निर्देशक शी यु ने 'लाइट ऑफ़ ए मिलियन होप्स' एक क्लासिक फ़िल्म बनाई है। 1949 में कम्युनिस्ट जीत गए और नेशनलिस्ट ताइवान टापू की ओर चले गए। कम्युनिस्ट, नेशनलिस्ट तथा हॉन्ग कॉन्ग, अब चीन के तीन फ़िल्म उद्योग केंद्र थे। 1949 के बाद चीन में सिनेमा में संख्यात्मक और तकनीक विकास हुआ। 1955 में 'कॉमेडी रिसर्च युनिट' की स्थापना हुई इसके एक साल बाद बेजिंग फ़िल्म अकादमी बनी। 1964 में चीन में पहली एनीमेशन फ़ीचर फ़िल्म 'अपरोर इन हैवन' बनी। 1965 में निर्देशक सिय जिन की 'स्टेज सिस्टर्स' को मास्टरपीस का दर्जा हासिल है, जबकि फ़िल्म का उत्तरार्ध अत्यंत आदर्शवाद से ग्रसित है। 1960 के मध्य से 1970 के मध्य तक करीब दस साल सांस्कृतिक क्रांति के नाम पर चीन में फ़िल्म निर्माण तकरीबन ठप्प रहा। क्लचरल रिवोल्युशन काल में बेजिंग फ़िल्म अकादमी बंद रही, लेकिन 1982 में बनी 'यलो अर्थ' (निर्देशकः चेन कैग), 'वन एंड एट' (निर्देशकः ज़ांग युन्ज़ाओ), 'बेजिंग बास्टड्र्स' (1993, निर्देशकः ज़ांग युआन) फ़िल्मों को विश्व में खूब प्रसिद्धि मिली।चीन की कुछ फ़िल्में जैसे 'स्प्रिंग रिवर फ़्लो ईस्ट', 'क्रोज एंड स्पैरोज', निर्देशक कैग चेन की 'फ़ेरवल माई कॉन्क्यूबाइन' एवं 'एम्परर एंड दि असासिन', 'रेज द रेड लैन्टर्न' (झांग यि-मो), 'स्प्रिंग इन ए स्मॉल टाउन', 'सिटी ऑफ़ लाइफ़ एंड डेथ' (चुआन लु), 'रेड सोगम' (झांग यिमो) आदि फ़िल्में सिने-प्रेमियों के बीच खूब लोकप्रिय हुई, उन्हीं में से कुछ फ़िल्मों पर बात करते हैं। लेकिन उसके पहले यह जानना रुचिकर होगा कि जिन कई फ़िल्मों को हम चीन की फ़िल्म के नाम से जानते हैं, वे असल में चीन की फ़िल्म नहीं हैं। 'क्राउचिंग टाइगर हिडन ड्रैगन' चीन की नहीं ताइवान की फ़िल्म है, इसे बनाया भी ताइवान के सिने-निर्देशक ऑन्ग ली ने है। उन्होंने ही 'लाइफ़ ऑफ़ पी' तथा 'हल्क' जैसी फ़िल्में भी बनाई है। इसी तरह 'इन द मूड फ़ॉर लव' (कार-वाई वोन्ग), 'फ़िस्ट ऑफ़ फ़्यूरी' (वेइ लो), 'दि वन-आर्म्ड सोड्र्समैन' (चे चान्ग) फ़िल्में चीन में नहीं हॉन्ग कॉन्ग में बनी हैं। 'स्प्रिंग रिवर फ़्लो ईस्ट' प्रेम, वासना, बहादुरी और बेवफ़ाई की गाथा है, जिसे 'गॉन विथ द विन्ड' से जोड़ा जाता है। 171 मिनट की ड्रामा फ़िल्म 'फेरवल माई कॉन्क्यूबाइन' दो लड़कों की 70 साल लंबी चली दोस्ती की कहानी है। 1993 की इस फ़िल्म में लेस्ली चेउन्ग, फ़ेन्जी झांग, गॉन्ग ली आदि ने अभिनय किया है। 1948 की फ़िल्म 'स्प्रिंग इन ए स्मॉल टाउन' भी ड्रामा-रोमांस की श्रेणी में आती है। एक अकेली स्त्री अपने जीवन को बहुत नीरस पाती है, लेकिन जब उसका बचपन का दोस्त लौटता है तो उसका जीवन बदल जाता है। 'दि एम्परर एंड दि एसासिन' राजसी षडयंत्र, क्रूरता से जुड़ी फ़िल्म है। 1998 में बनी इस 162 मिनट की फ़िल्म में गॉन्ग ली, झाउ सन, फ़ेन्गी झांग ने भूमिकाएं की हैं। रेज द रेड लैन्टर्न 1991 की फ़िल्म है, 'रेज द रेड लैन्टर्न' जिसे देखते हुए ऋतुपर्ण घोष की फ़िल्म 'अंतरमहल' की याद कौंध जाती है, हालांकि दोनों के कथानक एवं ट्रीटमेंट में जमीन-आसमान का फ़र्क है। चीन की यह चटकीले रंगों, खूबसूरत चेहरों तथा तनाव वाली फ़िल्म धूसर जिंदगी की कहानी कहती है। फ़िल्म नी झेन के उपन्यास 'वाइल्स एंड कॉन्क्यूबाइन्स' पर आधारित है। 2 घंटे से ऊपर की इस फ़िल्म की नायिका सॉन्गलिआन (अभिनेत्री गॉन्ग ली) एक धनी व्यक्ति की चौथी पत्नी है। घर के भीतर पत्नियों को सारी सुविधाएं- खाना-कपड़ा, गहना, नौकर-चाकर सब प्राप्त हैं। घर के कुछ नियम हैं, एक नियम है जिस रात पति जिस पत्नी के पास जाएगा उस शाम उसके घर के सामने ऊपर लाल रंग की लालटेन लटकाई जाएगी। सॉन्गलिआन को उसके घर वालों ने बेचा है। निर्देशक झांग यि-मो की इस फ़िल्म को स्त्री के दमन-शोषण, जमींदारी प्रथा पर आक्रमण के रूप में भी देखा जा सकता है। झांग यि-मो ने ही इसके पहले 1987 में नोबेल पुरस्कृत उपन्यासकार मो यान के उपन्यास 'रेड सोगम' पर इसी नाम से 91 मिनट की फ़िल्म बनाई थी। वे स्त्री केंद्रित फ़िल्म सफ़लतापूर्वक बनाते हैं। एक सुंदर युवती नपुंसक, कोढ़ी अंगूर के खेतों के मालिक को बेच दी गई है। यहां भी नायिका के रूप में अभिनेत्री गॉन्ग ली है। यह फ़िल्म भी अपनी खूबसूरती, अत्याचार के लिए देखी जानी चाहिए। सिनेमास्कोप में बनी यह रंगीन फ़िल्म सरलता से अपनी कहानी कहती है।

राजनीति के 'पुष्पा' बनना चाहते हैं केसीआर
राष्ट्रीय स्तर पर जमीन तलाशने की महत्वाकांक्षा का फल

केसीआर ने तेलंगाना राष्ट्र समिति का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया है, लेकिन कोई क्षेत्रीय पार्टी सिर्फ नाम बदलने से राष्ट्रीय नहीं हो जाती। हाल ही में तेलंगाना विधानसभा की मुनूगोड़े सीट पर हुए उपचुनाव में राज्य में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने जीत दर्ज की है। 30 अक्तूबर को एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव

(केसीआर) ने कहा था कि इस चुनाव में पार्टी की जीत उनकी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के लिए राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखने का मार्ग प्रशस्त करेगी। केसीआर ने हाल ही में राष्ट्रीय राजनीति की अपनी महत्वाकांक्षा का प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना राष्ट्र समिति का नाम भारत राष्ट्र समिति करने का एलान किया था। ऐसे में एक घटना का जिक्र करना लाजिमी होगा। हाल ही में जब केसीआर सरकार के एक मंत्री केटी रामा राव (केटीआर) से केसीआर की राष्ट्रीय राजनीति की महत्वाकांक्षा के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था, जब पुष्पा जैसी तेलुगू फिल्म देश में तूफान खड़ा कर सकती है, तो राष्ट्रीय राजनीति में बाहुबली दृष्टिकोण वाले केसीआर सफल क्यों नहीं हो सकते टीआरएस सुप्रीमो के बेटे और टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष होने के नाते केटीआर ने जो कुछ कहा है, उसके राजनीतिक निहितार्थ स्पष्ट हैं। वास्तव में केसीआर 2018 से राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखने और गैर भाजपा, गैर कांग्रेस गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह अब तक इसमें सफल नहीं हो सके हैं। 2019 में भाजपा को मिली भारी जीत के बाद यह विचार ठंडे बस्ते में चला गया था। लेकिन पिछले कुछ महीनों के दौरान देश के विभिन्न राज्यों का दौरा करने के बाद केसीआर ने अपनी क्षेत्रीय पार्टी का नाम बदलकर उसे राष्ट्रीय रूप देने की कोशिश की है। भाजपा जैसी शक्तिशाली और अच्छी तरह से स्थापित राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को राष्ट्रीय राजनीति में चुनौती देने का उनका विचार सुपर हिट तेलुगु फिल्म पुष्पा के नायक के चरित्र के साथ बहुत मेल खाता है, जिसके बारे में केटीआर बात कर रहे थे। हालांकि भाजपा को चुनौती देने के उनके संकल्प के पीछे कोई ठोस चुनावी रणनीति नजर नहीं आती। भाजपा से लड़ने के लिए जिस आधार पर उन्होंने जवाब दिया, वह उनका तथाकथित तेलंगाना शासन मॉडल है। लेकिन यह मॉडल काफी हद तक दलित बंधु (अनुसूचित जातियों के लिए) और रायतु बंधु (किसानों के लिए) जैसी कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित है। दूसरी ओर अनेक राज्य और केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए सरकारें इस तरह की अनेक योजानाएं चला रही हैं, ऐसे में यह केसीआर ही बता सकते हैं कि उनका मॉडल अलग कैसे है। टीआरएस नाम तेलंगाना की भावना से सीधे जुड़ा हुआ था और जिसने पृथक तेलंगाना राज्य के गठन के बाद हुए दो विधानसभा चुनावों में केसीआर को सत्ता दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अब पार्टी का नाम बदलकर बीआरएस कर दिया गया है, जिससे तेलंगाना भावना को प्रज्वलित करने का भार अब विशेष रूप से केसीआर के व्यक्तिगत करिश्मे पर निर्भर होगा, जो कि पार्टी के लिए एक बड़ा जोखिम दिखाई देता। केसीआर दूसरे क्षेत्रीय दलों के साथ कैसा तालमेल बिठाते हैं और बदले में वे बीआरएस को कितनी जगह देते हैं, यह लाख टके का सवाल है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र में एनसीपी या शिवसेना या कर्नाटक में जेडीएस जैसी पार्टी, आखिर क्यों किसी ऐसी पार्टी के लिए राजनीतिक त्याग करेंगी, जो कि उनके राज्यों में अभी है ही नहीं यदि उनमें सीटों का तालमेल नहीं हो सका, तब तो इससे भाजपा विरोधी मतों के विभाजन से भाजपा को लाभ ही मिलेगा। दिलचस्प यह है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, दोनों ही जगह नई राष्ट्रीय पार्टी बीआरएस को लेकर बहसें हो रही हैं। कई बार ऐसी बहसें आम लोगों में राष्ट्रीय पार्टी को लेकर भ्रम पैदा कर रही हैं, जिन्हें शायद पता नहीं है कि कोई क्षेत्रीय पार्टी सिर्फ नाम बदलने से राष्ट्रीय नहीं हो जाती। किसी भी दल को राष्ट्रीय दल की मान्यता मिलने के लिए कुछ जरूरी शर्तें हैं, जिनमें एक शर्त यह है कि उसने लोकसभा की दो फीसदी सीटें कम से कम तीन राज्यों से जीती हों।

गुजरात से पता चलेगी विपक्ष की दिशा, अच्छे नतीजे भविष्य के लिए ऊर्जा भरने वाले साबित होंगे

गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव भाजपा एवं विपक्ष, दोनों के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेकिन गुजरात प्रधानमंत्री मोदी का गृह राज्य भी है, जहां कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी भाजपा को चुनौती दे रही है। इसलिए माना जा रहा है कि गुजरात के चुनावी नतीजे से विपक्ष की भावी दिशा का पता चलेगा। एक बार फिर से भारत के राज्यों में राजनीतिक माहौल गर्म है। जहां भाजपा का प्रदर्शन बेहतर रहा है, वहीं प्रतिपक्ष की राजनीति अब भी लड़खड़ाई हुई सी है। जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने हैं। दोनों राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के अपने-अपने कोण हैं, लेकिन हाल ही में छह राज्यों में हुए उपचुनाव के जो नतीजे सामने आए हैं, उससे राजनीतिक हवा का पता चलता है। इसलिए सबसे पहले इन उप चुनावों का ही जिक्र करते हैं। बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश-इन छह राज्यों की सात सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने चार सीटों पर अपनी जीत दर्ज कराके यह प्रदर्शित कर दिया है कि जिन राज्यों में वह सत्ता में नहीं है, वहां भी उसने उपचुनाव में अपना दमखम बनाए रखा है। बिहार, हरियाणा, ओडिशा तथा उत्तर प्रदेश-इन सभी राज्यों में उपचुनाव में भाजपा ने एक-एक सीट जीती है। बिहार में एक सीट राजद को, तो एक सीट भाजपा को मिली है। वहीं हरियाणा में कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के पोते भव्य विश्नोई आदमपुर में भाजपा के प्रत्याशी के रूप में निर्वाचित घोषित किए गए। यानी कांग्रेस को एक और झटका लगा है। महाराष्ट्र में अंधेरी ईस्ट सीट पर उद्धव ठाकरे से जुड़ी शिवसेना प्रत्याशी ऋतुजा लटके चुनाव जीत गई हैं। ओडिशा के धामनगर में भाजपा की जीत अप्रत्याशित मानी जाती है, क्योंकि वहां क्षेत्रीय पार्टी बीजद अब भी प्रभावशाली है। उत्तर प्रदेश के गोला गोकर्णनाथ में भाजपा चौंतीस हजार से ज्यादा मतों के अंतर से चुनाव जीत गई। ऐसे में कहा जा सकता है कि भाजपा का प्रदर्शन बेहतर रहा है, लेकिन उसे अब भी सबसे कड़ी चुनौती क्षेत्रीय दलों से मिल रही है, न कि कांग्रेस से। अब जो महत्वपूर्ण चुनाव है, वह है गुजरात का विधानसभा चुनाव, जो भाजपा एवं विपक्ष, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। एक तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव की कमान है और भाजपा का दूसरे दशक में शासन का फिर से दावा है, तो दूसरी ओर विपक्ष में कमजोर कांग्रेस पार्टी है। यह स्पष्ट नहीं दिखता कि राज्य के चुनावी समर का नेतृत्व शक्तिसिंह गोहिल के हाथ में है या परेश धनानी के। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर तो हैं, पर गुजरात में 'भाजपा तोड़ो' की मुहिम किसके हाथ में है, यह स्पष्ट नहीं है। पिछली बार तो विरोध के बहुत से मुद्दे थे। सूरत में जीएसटी पर रोष था। जिग्नेश,

हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर की तिकड़ी थी और यह माना जाता था कि ग्रामीण इलाकों एवं पाटीदारों में भाजपा के खिलाफ खासा रोष था। इस बार ग्रामीण इलाकों में भाजपा के खिलाफ कोई बड़ी नाराजगी की सूचना नहीं है और हार्दिक पटेल एवं अल्पेश ठाकोर, दोनों ही भाजपा का हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन वहां आम आदमी पार्टी के रूप में प्रतिरोध की एक नई आवाज उभरी है। आम आदमी पार्टी एक नए राज्य में अपनी शक्ति की आजमाइश कर रही है। अरविंद केजरीवाल ने कई सभाएं की हैं और मोदी एवं भाजपा को सीधे तौर पर ललकारा है। दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर उन्होंने मुफ्त बिजली, पानी देने का वादा किया है, युवाओं को रोजगार देने की बात कही है और गुजरात को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की बात भी वह कर रहे हैं। साथ ही 'आप' ने नोटों पर महात्मा गांधी के बदले लक्ष्मी-गणेश के चित्रों को छापने की बातें कर डाली हैं। यानी भाजपा के पारंपरिक वोटर के बीच भी आम आदमी पार्टी हिंदुत्व का अपना सिक्का जमाने में लगी है और उसी की भाषा में चुनौती पेश कर रही है। कहा जाता है कि गुजरात में ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में मतों का रुझान अलग प्रतीत होता है। कांग्रेस ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करती है, लेकिन भाजपा को हरा नहीं पाती। वहीं शहरी क्षेत्रों में भाजपा बहुत अच्छा प्रदर्शन करती है। आप ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस के वोट में सेंध लगा सकती है, लेकिन क्या वह भाजपा के शहरी मतों में से छोटा-सा हिस्सा भी ले पाएगी हाल ही में मोरबी में पुल गिरने से बहुत लोगों की मौतें हुईं, फिर भी भाजपा की स्थिति मजबूत है। प्रश्न सिर्फ इतना है कि आप का प्रदर्शन कैसे रहेगा और क्या वह राज्य स्तर की पार्टी से राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बन पाएगी। अगर गुजरात में कांग्रेस आम आदमी पार्टी की मौजूदगी के बावजूद अपना प्रदर्शन बेहतर कर पाती है और भाजपा के लिए चुनौती बन पाती है, तो इससे विपक्ष की भावी दिशा का पता चलेगा। प्रधानमंत्री के गृह राज्य में अगर भाजपा को नुकसान होता है, तो यह विपक्ष के लिए मनोबल बढ़ाने वाला होगा। अब बात हिमाचल प्रदेश की। यहां भी भाजपा की सरकार है। जमीन पर सत्ता के खिलाफ कुछ रोष भी देखने को मिल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों, विशेष रूप से सेब उत्पादकों के बीच कम दाम मिलने से नाराजगी है, तो शहरी क्षेत्रों में नई पेंशन स्कीम के तहत कम पैसे मिलने का मुद्दा प्रबल है। लोग पुरानी पेंशन फिर से बहाल करना चाहते हैं। इसके अलावा भाजपा ने लगभग 11 विधायकों की टिकटें काट दी हैं, जिनमें से कुछ बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। कुल मिलाकर माना जाता है कि भाजपा के समक्ष चुनावी चुनौती कड़ी है, लेकिन प्रतिपक्ष में कांग्रेस पार्टी है। हिमाचल के बड़े नेता आनंद शर्मा कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आलोचक हैं। प्रियंका गांधी राजीव शुक्ला के साथ कांग्रेस की चुनावी मुहिम संभाले हुई हैं। पर सवाल यह है कि क्या कांग्रेस की चुनौती में दम है। क्या लोग वाकई सत्ता परिवर्तन के प्रति इच्छुक हैं या केवल भाजपा पर दबाव बनाना चाहते हैं? हिमाचल एक छोटा राज्य है, जहां जीत-हार के छोटे अंतर पर भी राजनीतिक संभावनाएं टिकी रहती हैं। नतीजे से यह स्पष्ट हो जाएगा कि कांग्रेस की पदयात्रा से किसी राजनीतिक विकल्प का सृजन हो पा रहा है या नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य चुनाव की रैलियों में पूरी मेहनत कर रहे हैं। गुजरात का चुनाव उनके लिए निजी सम्मान का मामला है, तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और मोदी के भरोसेमंद मंत्री अनुराग ठाकुर हिमाचल प्रदेश से ताल्लुक रखते हैं। इसलिए यह देखना भी दिलचस्प होगा कि हिमाचल में भाजपा का प्रदर्शन कैसा रहता है।

संक्षिप्त समाचार

इमरान खान फिर से शुरू करेंगे हकीकी आजादी मार्च, 3 नवंबर को हुआ था जानलेवा हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने मंगलवार को घोषणा की है कि उसका हकीकी आजादी मार्च गुरुवार को वजीराबाद के अल्लाह वाले चौक से दोपहर 1 बजे फिर से शुरू होगा। बता दें कि यह वही जगह है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उनके हकीकी मार्च के दौरान गोली मार

दी गई थी। पीटीआई ने ट्वीट कर जानकारी दी है। पीटीआई ने ट्वीट कर लिखा कि पाकिस्तान तैयार हो जाओ। गुरुवार 10 नवंबर को दोपहर 1 बजे हकीकी आजादी मार्च वजीराबाद अल्लाह वाले चौक से अपनी यात्रा फिर से शुरू करेगा। इससे पहले सोमवार को पीटीआई के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी ने घोषणा की थी कि पार्टी के लंबे मार्च को मंगलवार के बजाय गुरुवार को फिर से शुरू किया जाएगा। वहीं, जियो न्यूज ने जानकारी देते हुए बताया कि देश की शीर्ष अदालत द्वारा पंजाब पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के बाद सोमवार को हत्या के प्रयास के खिलाफ पहली एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इससे पहले, पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब पुलिस के आईजी फैसल शाहकर को पीटीआई प्रमुख पर गोली चलाने के मामले में ईंधं का आदेश जारी किया था। साथ ही कोर्ट ने 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट देने का भी आदेश दिया था।

श्रमिकों के लिए मेगा विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा ।डा. राजेन्द्र प्रसाद इन्टर कालेज कस्बा बिलासपुर में जनसामान्य के लिये व कंपनी आनन्दिता हेल्थ केयर नोएडा में श्रमिकों के लिए आयोजित किया मेगा विधिक साक्षरता शिविर लगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में तथा अवनीश सक्सेना, जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर के दिशा-निर्देशन में आज दोपहर 12:30 बजे से डा0 राजेन्द्र प्रसाद इन्टर कालेज बिलासपुर में जनसामान्य के मध्य मेगा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कियां गया। उक्त साक्षरता शिविर के माध्यम से जनसामान्य को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व व राष्ट्रीय लोक अदालत माध्यम से वादों का शीघ्र निस्तारण के संबंध में अवगत कराते हुये, कृषि पेंशन योजना, बिजली बिल से संबंधित मामलों का निस्तारण, ई-चालान मामलों का ऑन लाईन द्वारा शीघ्र निस्तारण आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई। उक्त साक्षरता शिविर में प्रग्या सिंह नायब तहसीलदार सदर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर में नामित पराविधिक स्वयं सेवक श्री साकिर व अधिक संख्या में स्थानीय निवासी व विद्यालय स्टाफ आदि उपस्थित हुये। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में तथा श्री अवनीश सक्सेना, जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर के दिशा-निर्देशन में तथा जयहिंद कुमार सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में दिनांक 08.11.2022 को समय 2:00 बजे से कम्पनी आनन्दिता हेल्थ केयर, फेस टू नोएडा गौतमबुद्धनगर में कार्यरत श्रमिक वर्ग के मध्य मेगा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया

गया। शिविर में सचिव, जयहिंद कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि उ0प्र0 पीडित क्षतिपूर्ति योजना 2014 के अनुसार पीडित को पात्रता के आधार पर क्षतिपूर्ति के रूप में निर्धारित धनराशि दिये जाने का प्रावधान है। मध्यस्थता प्रक्रिया के संबंध में बताया गया कि मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकारों के मध्य आपसी सुलह समझौता से वादों का निस्तारण प्रत्येक कार्य दिवसों में प्रशिक्षित मध्यस्थों द्वारा किया जाता है। यह भी बताया गया कि दिनांक 12.11.2022 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से मोटर चालान, चैक बाउन्स के मामलें, पारिवारिक मामलें, राजस्व व दीवानी व अन्य प्रक्रति के वादों का निस्तारण कराया जा सकता है। यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अंतिम निर्णय दोनों पक्षों की सहमति से बनता है जिसकी कोई अपील नही होती है। इस के साथ ही जनपद गौतमबुद्धनगर में संचालित स्थाई लोक अदालत के संबंध भी प्रकाश डाला गया। साथ ही शिविर में उपस्थित श्री राममिलन वर्मा, श्रम प्रवर्तन अधिकारी एवं श्री दीपक कुमार मौर्य, श्रम प्रवर्तन अधिकारी गौतमबुद्धनगर उपस्थित हुये, जिनके द्वारा श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी अधिनियम तथा समान कार्य के लिए समान वेतन, बाल श्रम/बाल मजदूरी एंव श्रमिक व कारखानों के संदर्भ में अधिनियम कानूनों यथा औद्योगिक विवाद अधिनियम, इंडस्ट्रीयल लेबर एक्ट, ट्रेड यूनियम अधिनियम आदि विषयों पर जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा उपरोक्त योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिविर में जयहिंद कुमार सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर व श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री राममिलन वर्मा एंव श्री दीपक कुमार मौर्य, कम्पनी के पदाधिकारी श्रीमती सुनीता, वित्त प्रमुख, स्वाती शर्मा नैना सचदेवा तथा श्रमिक श्रीमती मुन्नी देवी, विजयलक्ष्मी, सृष्टि, वंशिका आदि अधिक संख्या में श्रमिकगण उपस्थित रहे।

अमेरिका में भारतीय मूल की अरुणा मिलर ने रचा इतिहास, मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं

वाशिंगटन। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के बीच प्रतिनिधि सभा में इस बार भारतीय-अमेरिकियों का 100 फीसदी स्ट्राइक रेट रह सकता है। दरअसल, भारतीय मूल के अमेरिकी अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना और प्रमिला जयपाल के फिर से चुने जाने की संभावना है। अरुणा मिलर ने रचा इतिहास अमेरिका के लाखों वोटर्स ने गनर्वर, सेक्रेटरी ऑफ स्टेट और अन्य कार्यालयों की प्रमुख को चुनने के लिए मतदान किया है। इसी बीच अमेरिका में एक और भारतवंशी ने इतिहास रच दिया है। भारतीय-अमेरिकी महिला अरुणा मिलर मैरीलैंड में लेफ्टिनेंट गवर्नर का पद संभालने वाली पहली अप्रवासी बन गई हैं।58 वर्षीय डेमोक्रेट अरुणा मिलर का जन्म 6 नवंबर 1964 को आंध्र प्रदेश में हुआ था। कहा जाता है कि सात साल की उम्र में वह अपने माता-पिता के साथ अमेरिका आ गई थीं। 1989 में उन्होंने मिसौरी यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। मॉन्टगोमरी काउंटी में स्थानीय परिवहन विभाग में उन्होंने 25 सालों तक काम किया। अरुणा मिलर ने 2010 से 2018 तक मैरीलैंड हाउस ऑफ डेलीगेट्स में 15 जिलों का प्रातिनिधित्व किया। 2018 में हुए संसदीय चुनाव में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके बाद उन्हें डेमोक्रेट की तरफ से गवर्नर पद का प्रत्याशी बनाया गया। अरुणा ने डेविड मिलर नाम के शख्स के साथ शादी की है। मिलर दंपति की तीन बेटियां हैं।

हीटवेव को लेकर पर्यावरण एजेंसी की चेतावनी

कोपेनहेगन। दुनिया के लोगों को जलवायु परिवर्तन के कारण जल्द ही और भी ज्यादा खतरनाक असर

देखने को मिल सकता है। अगर जलवायु परिवर्तन को लेकर कुछ नहीं किया जाता है, तो सदी के अंत तक हर साल 90,000 यूरोपीय लोगों की मौत हो सकती है। यूरोपीय पर्यावरण एजेंसी ने हीटवेव को लेकर दुनियभर को चेताया है। एजेंसी ने बताया कि पर्यावरण के अगर अनुकूल उपाय नहीं ढूंढ़े गए तो साल 2100 तक 3 डिग्री सेल्सियस ग्लोबल वार्मिंग के परिदृश्य को देखते हुए 90,000 यूरोपीय लोग सालाना अत्यधिक गर्मी से अपनी जान गवां सकते हैं। साथ ही यह भी कहा कि 1.5 डिग्री सेल्सियस ग्लोबल वार्मिंग के साथ यह सालाना 30,000 मौतें कम कर सकता है। वहीं, कई देशों ने ग्लोबल वार्मिंग को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर रखने का संकल्प लिया है। यह एक ऐसा लक्ष्य है, जिसे दुनिया वर्तमान उत्सर्जन प्रवृत्तियों कारण हासिल कर पाना मुश्किल है।

पहली समलैंगिक महिला गवर्नर बनीं मौरा हीले

वाशिंगटन। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के नतीजे आने शुरू हो गए हैं। डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल मौरा

हीले ने इतिहास रच दिया है। उन्हें मैसाचुसेट्स का गवर्नर चुना गया है। मौरा हीले मैसाचुसेट्स की पहली महिला और देश की पहली समलैंगिक उम्मीदवार हैं, जो इस पद के लिए चुनी गई हैं। मौरा हीले ने रिपब्लिकन उम्मीदवार ज्योफ डाइहल को मात दी। मौरा हीली को 60 फीसदी से ज्यादा मत हासिल हुए, जबकि ज्योफ डाइहल को करीब 38 फीसदी वोट ही मिले। डाइहल को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त था।चुनाव में एक भारतीय-अमेरिकी महिला अरुणा मिलर ने भी इतिहास रच दिया है। मैरीलैंड हाउस ऑफ डेलीगेट्स की पूर्व सदस्य अरुणा मिलर मैरीलैंड में लेफ्टिनेंट गवर्नर का पद संभालने वाली पहली अप्रवासी बन गई हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक के टिकट पर चुनाव लड़ा था। अरुणा मैरीलेंड में इस पद के लिए चुनी जाने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी हैं। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में लाखों लोगों ने मतदान किया है।

एकतरफा प्यार में सिरफिरे ने युवती के साथ किया दिल दहला देने वाला वारदात, जांच में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । में युवती की पांचवी मंजिल से गिरा कर हत्या करने का मामला आया है । थाना सेक्टर 49 इलाके

में रहने वाली युवती की मौत के बाद आरोपी युवती की लाश को लेकर कई घंटे फरार रहा । मोबाइल लोकेशन से पुलिस ने गाजियाबाद के लालकुआ इलाके से आटो में लड़की की लाश के साथ आरोपी को हिरासत में लिया । मृतक युवती के भाई ने पुलिस कार्यवाही पर सवाल उठाए हैं । परिजनों का आरोप है कि आरोपी शख्स पहले भी युवती के घर में घुस कर छेड़छाड़ और परिजनों से बदसलूकी कर चुका था । घरवालों ने पुलिस से शिकायत के बाद भी आरोपी पर कार्यवाही नही करने का आरोप लगाया । दरअसल आठ नवंबर को थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम होशियारपुर के स्थानीय व्यक्तियो ने पुलिस को सूचना दी कि एक युवती जिसकी उम्र- 22 साल है ।मेन मार्कैट होशियारपुर मे एक बिल्डिग से कूद गयी है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। सूचना पर तत्काल थाना सेक्टर 49 पुलिस मौके पर पंहुची तो लेकिन मौके पर मौजूद परिजनों ने बताया कि गौरव नाम का युवक जो कि लड़की से पूर्व से संपर्क में था , उसने मारने की नियत से लड़की को धक्का दिया है तथा मृतका के शव को लेकर भाग गया है। जानकारी के आधार पर स्थानीय पुलिस टीम ने आरोपी गौरव को लड़की की लाश के साथ गाजियाबाद के पास से हिरासत में लिया है। परिजन की तहरीर के आधार पर थाना सेक्टर 49 पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपी युवक जो युवती का शव लेकर फरार हुआ था ,पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया है । शुरुआती जांच में सामने आ रहा है कि युवती ने आरोपी के साथ दोस्ती नही कबूल की तो आरोपी ने बिल्डिंग से गिरा कर लड़की की हत्या कर लाश को लेकर भागा था । फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता का हार्ट अटैक से निधन, राहुल गांधी ने जताया दुख

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का 62वां दिन है। भारत जोड़ो यात्रा मंगलवार को नांदेड़ जिले से शुरू हुई। मंगलवार को यात्रा के दिन कांग्रेस के लिए बुरी खबर आई। दरअसल, कांग्रेस सेवा दल के महासचिव कृष्णकांत पांडे का निधन हो गया है। कृष्णकांत पांडे यात्रा के साथ चल रहे थे। उनके निधन से कांग्रेस नेता दुखी हैं। झंडा लेकर चल रहे थे कृष्णकांत पांडे कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश के अलावा पार्टी के कई नेताओं ने कृष्णकांत पांडे के निधन पर दुख जताया है। कृष्णकांत का निधन हार्ट अटैक आने से हुआ है। बताया जा रहा है कि पांडे यात्रा में हाथ में झंडा लेकर चल रहे थे। कुछ देर बाद उन्हें हार्ट आया और उनकी मौत हो गई।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट कर कृष्णकांत के निधन पर दुख जताया है। राहुल ने कहा कि कृष्णकांत पांडे जी का निधन पूरे कांग्रेस परिवार के लिए बहुत दुखद है। देश के लिए उनका समर्पण हमें सदा प्रेरणा देता रहेगा।वहीं, जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेवा दल के महासचिव कृष्ण कुमार पांडे राष्ट्रीय ध्वज थामक मेरे और दिग्विजय सिंह के साथ चल रहे थे। राहुल गांधी ने यात्रा की शुरुआत नांदेड़ जिले के एक गुरुद्वारे में मत्था टेककर की। राहुल ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर गुरुद्वारा यादगारी बाबा जोरावर सिंहजी फतेह सिंहजी में मत्था टेका।

अब 14 की जगह 16 नवंबर को लान्च होगा मून राकेट

मियामी। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने एक बार फिर से अपने बहुप्रतीक्षित मून राकेट की लान्च तारीख को आगे बढ़ा दिया है। ऐसा ऊष्ण कटिबंधीय तूफान निकोल को देखते हुए किया गया है। इससे पहले मून राकेट को 14 नवंबर को लान्च करना था, लेकिन खराब मौसम की वजह से इसे अब 16 नवंबर को लान्च करने की योजना है। यह जानकारी अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी जिम फ्री ने ट्विटर पर दी। जिम फ्री नासा के एक्सप्लोरेशन सिस्टम डेवलपमेंट के एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे लोग हमारे मिशन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू हैं। हम उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए अर्टेमिस के लान्च करने की तारीख को आगे बढ़ा रहे हैं। कैनेडी स्पेस सेंटर के पास तूफान की चेतावनी जारी की गई है। यह वह स्थान है, जहां से नासा मून राकेट का प्रक्षेपण करेगी। यह

नासा का अब तक का सबसे शक्तिशाली विस्फोट है। पहले, 14 नवंबर की रात 10.30 बजे का समय मून राकेट के प्रक्षेपण के लिए रखा गया था। 1 नासा के स्पेस लान्च सिस्टम राकेट की पहली परीक्षण उड़ान है। मून राकेट का प्रक्षेपण पहले भी टाला जा चुका है। निकोल तूफान को देखते हुए विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की है कि अगर राकेट, जिसकी कीमत कई अरब डालर आंकी गई है, खुला रहता है तो तूफान से क्षतिग्रस्त हो सकता है।

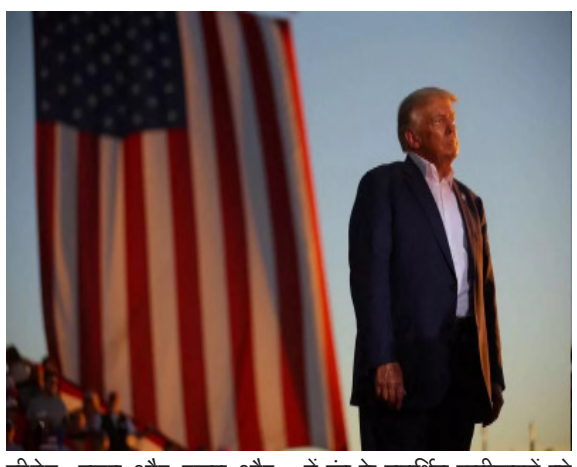

मध्यावधि चुनाव तय करेगा डोनाल्ड ट्रम्प का भविष्य जानिए राष्ट्रपति की दौड़ में ट्रंप की होगी एंट्री

न्यूयॉर्क।अमेरिका में मंगलवार को मिड-टर्म इलेक्शन यानि मध्यावधि चुनाव संपन्न हुए। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी प्रभाव बढ़ रहा है। सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव के लिए हो रहे चुनावों में 200 से अधिक प्रत्याशियों के लिए ट्रंप ने जमकर चुनाव प्रचार किया। न्यूज एजेंसी एएफपी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रिपब्लिकन उम्मीदवारों के स्कोर उनकी लोकप्रियता के लिए एक लिटमस टेस्ट की तरह काम करेगा। ट्रंप की जब अंतिम रैली समाप्त हुई तो उन्होंने अपनी बात को एक बार फिर दोहराया कि वह अगले सप्ताह फ्लोरिडा में एक बहुत बड़ी घोषणा करेंगे। ट्रंप ने मंगलवार को पाम बीच में अपना वोटा डाला और फिर से संभावित राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने के संकेत दिए। ट्रंप 15 नवंबर को फ्लोरिडा के निवास मार-ए-लागो में बड़ी घोषणा करेंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ठमुझे लगता है कि मंगलवार (15 नवंबर) बहुत सारे लोगों के लिए एक बहुत ही रोमांचक दिन होगा, और मैं आपको मार-ए-लार्गो में देखने के लिए उत्सुक हूं। 76 वर्षीय, ट्रंप ने

सीनेट, सदन और राज्य और स्थानीय पदों के लिए मंगलवार के चुनाव में 200 से अधिक रिपब्लिकन उम्मीदवारों का समर्थन किया है। वहीं कोलंबिया विश्वविद्यालय में राजनीति के प्रोफेसर रॉबर्ट शापिरो ने एएफपी को बताया कि यह महत्वपूर्ण है कि कुछ उम्मीदवारों ने विशेष रूप से बड़ी जीत हासिल की है। उनके मुताबिक, इस चुनाव में ट्रंप के समर्थित उम्मीदवारों को चुनाव जीतना बेहद जरूरी होगा, अगर ने ऐसा कर नहीं पाते है तो उन्हें रिपब्लिकन की ओर से नामांकन के लिए एक चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। अगर ट्रंप के समर्थिक उम्मीदवार ये चुनाव जीत लेते है तो ट्रंप राष्ट्रपति के चेहरे के रूप में अपनी पकड़ और मजबूत कर सकते है। वहीं फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस भी पार्टी में दावेदार के रूप में देखा जा रहा हैं। ट्रंप के समर्थिक उम्मीदवारों का चुनाव जीतना बहुत जरूरी माना जा रहा है। क्योंकि ट्रंप पहले से ही कई मुश्किलों से घिरे हुए है। पिछले साल के यूएस कैपिटल हमले में उनकी भूमिका रही। यहीं नहीं उन्होंने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के प्रयासों को उलटने का भी काम किया। ट्रंप की मुश्किलें यहीं नहीं खत्म होती, उनके ऊपर दस्तावेजों को छिपाने का भी आरोप लगा हुआ है। ट्रंप पर फ्लोरिडा निवास मार-ए-लागो में अहम दस्तावेजों को छिपाने के लिए उनकी जांच की जा रही है। सितंबर में, न्यूयॉर्क राज्य के अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने ट्रम्प और उनके तीन बच्चों पर व्यापार धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए मुकदमा भी दायर किया है।

गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद होगा कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल सीएम बोम्मई ने दिए संकेत

(आधुनिक समाचार सेवा)

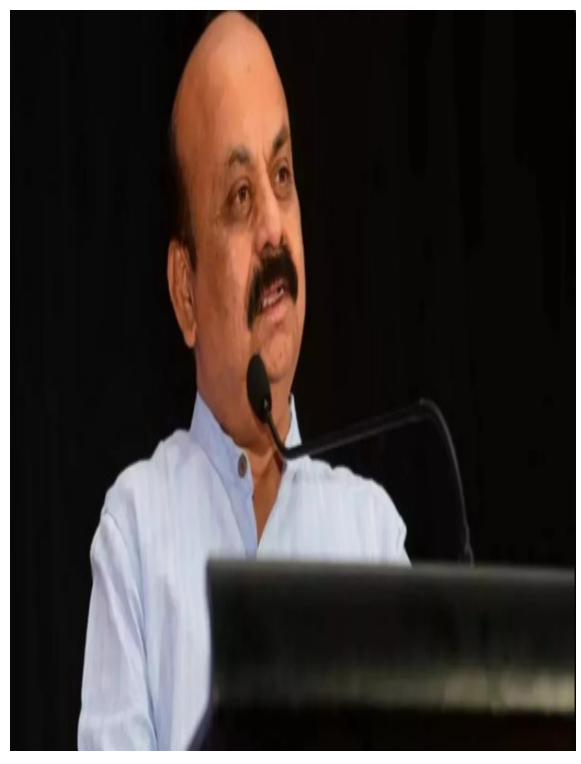

गडग। गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद कर्नाटक कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है। राज्य के सीएम बसवराज बोम्मई ने कैबिनेट में फेरबदल के संकेत दिए हैं। दरअसल, पत्रकारों ने इसको लेकर सीएम से सवाल किया था। पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने मंत्रिमंडल में बदलाव के संकेत दिए ने दिए संकेत बोम्मई ने पत्रकारों से कहा, 'कैबिनेट विस्तार... मैं पहले ही बता चुका हूं। हमारा नेतृत्व गुजरात विधानसभा चुनाव में व्यस्त है। चुनाव खत्म होते ही वह मुझे फोन करेंगे और इस पर चर्चा होगी।' हाल ही में सीएम ने कहा था कि कैबिनेट विस्तार पर चर्चा के लिए वह जल्द ही भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मिलने दिल्ली जाएंगे।अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में नए चेहरों के लिए जगह बनाने के लिए बोम्मई पर पिछले कुछ समय से विस्तार और फेरबदल नहीं होने का भारी दबाव था। ऐसी रिपोर्ट थी कि कैबिनेट विस्तार कर खाली पड़े 6 पदों को भरने की कोशिश होगी या कुछ को मंत्रिमंडल से हटाकर समान संख्या में नए चेहरों को शामिल करने का प्रयास होगा। गौरतलब है कि गुजरात में दो चरणों में 1 और 5 दिसंबर को वोटिंग होगी। 8 दिसंबर को नतीजों की घोषणा होगी।

एकता कपूर और रिया कपूर की फिल्म द क्रू के लिए साथ आईं करीना, तब्बू और कृति सेनन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। एकता कपूर और रिया कपूर ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट द क्रू से करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन को बड़े पर्दे पर साथ लाने वाली हैं। अब द क्रू के बारे में खुद प्रोजेक्ट का हिस्सा एक्ट्रेस तब्बू ने एक वीडियो साझा कर दी है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि करीना कपूर

खान, तब्बू और कृति सेनन साथ में अपना लुक टेस्ट के लिए पोज देती हुई दिख रही हैं। इस दौरान तीनों ही अभिनेत्रीयों में ब्लैक कलर की आउटफिट पहनी हुई है। इस ब्लैक एंड व्हाइट वीडियो को शेयर कर एक्ट्रेस ने लिखा, रिया और एकता कपूर की अगली फिल्म में करीना कपूर खान और कृति सेनन के साथ नई और क्रेजी जर्नी पर जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। इस वीडियो में वो वोग इंडिया की कवर स्टोरी के लिए शूट करा रही हैं। राजेश कृष्णनन द्वारा निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग अगले साल फरवरी, 2023 में शुरू होगी। जानकारी के अनुसार इस फिल्म की कहानी बेहद ही कूल और मजेदार होने वाली है, क्योंकि ये कहानी लीक से हटकर होगी। जोकि तीन महिलाओं पर बेस्ड है। बता दें कि करीना कपूर खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स की शूटिंग के लिए लंदन गई हुई हैं, जहां वो फिल्म के कई महत्वपूर्ण हिस्से को शूट कर रही हैं। इस मर्डर मिस्ट्री में करीना कपूर खान ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने वाली हैं। फिल्म में करीना के साथ जयदीप अहलावत और विजय वर्मा जैसे कलाकार भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस नेटफ्लिक्स ओरिजनल फिल्म द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स को 12वीं स्ट्रीट एंटरटेनमेंट और नॉर्दन लाइट्स फिल्म्स ने बाउंडस्क्रिप्ट और क्रॉस पिक्चर्स के साथ मिलकर जय शेवकरमणि और अक्षय पुरी बना रहे हैं। इसके अलावा करीना वीरे दी वेडिंग 2 भी नजर आने वाली हैं।

लंबे समय की चुप्पी के बाद ट्रोलिंग पर छलका रश्मिका का दर्द, परेशान होकर किया ऐसा पोस्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। साउथ क्वीन रश्मिका मंदाना ने अपने करियर में एक के बाद एक सुपरहिट फिल्में दीं। 'पुष्पा-

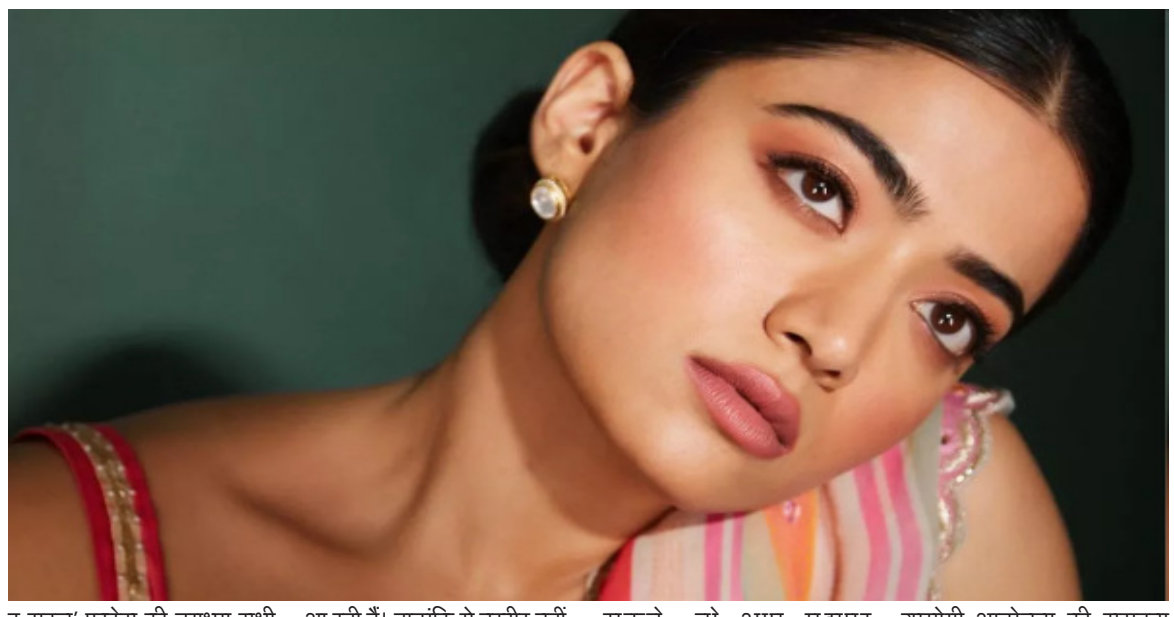

द राइज' एक्ट्रेस की लगभग सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पकड़ बनाने के बाद रश्मिका ने अमिताभ बच्चन के अपोजिट फिल्म 'गुडबाय' से बॉलीवुड में कदम रखा। नेशनल क्रश बन चुकीं रश्मिका मंदाना आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। अब एक्ट्रेस ने ट्रोल्स से परेशान होकर लम्बे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ते हुए एक ऐसा पोस्ट किया, जिसमें एक्ट्रेस का साफ-साफ छलक रहा है। इस लंबे चौड़े पोस्ट के जरिए एक्ट्रेस ने ट्रोल्स और फैंस दोनों तक अपने दिल की बात पहुंचाई। हाल ही में 'मिशन-मजनू' एक्ट्रेस रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है। इस तस्वीर में वह नाव में बैठी हुई हैं और उन्होंने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ है। फोटो में एक्ट्रेस खोई-खोई सी नजर आ रही हैं। हालांकि ये तस्वीर नहीं, बल्कि इस फोटो के साथ रश्मिका ने जो कैप्शन लिखा है वह उनके ट्रोलिंग के दर्द को साफ-साफ बयां कर रहा है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'कुछ चीजें हैं, जो मुझे पिछले कुछ समय या सालों से परेशान कर रही हैं और मुझे लगता है उसे बयां करना जरूरी है। मैं सिर्फ अपने बारे में बात करूंगी,जोकि मैंने साल भर पहले किया था। मैंने जब से अपना करियर शुरू किया है, तब से ही मैं ट्रोल्स और नकारात्मक लोगों के लिए पंचिंग बैग की तरह बन गई हूं'। रश्मिका मंदाना ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, 'मैं ये बात जानती हूं कि जो जिंदगी मैंने चुनी है, उसकी एक कीमत है। मुझे ये भी समझ आता है कि मुझे अचानक ही हर सिंगल पर्सन प्यार नहीं कर सकता, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि अगर आप मुझे अप्रूव नहीं कर सकते, तो आप मुझपर नकारात्मकता फेंके। सिर्फ मुझे पता है कि आप लोगों को खुश करने के लिए मैं दिन रात किस तरह का काम कर रही हूं। मुझे सिर्फ इस चीज की परवाह है कि जो भी मैं कर रह हूं उससे आपको खुशी महसूस होनी चाहिए। मैं सच में ये कोशिश करती हूं कि मैं कुछ ऐसा करूं जिससे आपको और मुझे दोनों को गर्व हो। ये बहुत ही ज्यादा दिल तोड़ने वाला और मनोबल गिराने वाली बात है कि मुझे उन बेतुकी चीजों के लिए इंटरनेट पर घेरा जाता है, जोकि मैंने कही भी नहीं हैं'। रश्मिका का गुस्सा यही पर शांत नहीं हुआ, उन्होंने आगे लिखा, 'मैंने इंटरव्यू में कुछ ऐसी चीजें कहीं जो मेरे ही खिलाफ चली गई। इंटरनेट पर फैल रही ये मनगढ़त कहानियां मेरे और इंडस्ट्री के बाहर मेरे रिश्तों के लिए बेहद हानिकारक है। मैं उपयोगी आलोचना की सराहना करती हूं, क्योंकि वह मुझे अच्छा करने के लिए पुश करता है, लेकिन इस खराब नकारात्मकता और नफरत का क्या? मैंने इन चीजों को लम्बे समय तक इग्नोर किया है। इस चीज को कहते हुए मैं किसी को नीचा नहीं दिखा रही हैं। लेकिन मैं एक इंसान के तौर पर मिल रही नफरत की वजह से चेंज नहीं होना चाहती'। अपने इस पोस्ट की एंड में रश्मिका ने ये भी कहा आपको खुश रखना, मेरा खुद को खुश रखने के बराबर है। आप दयालु रहें। हम सब अपना बेस्ट देने की कोशिश करते हैं'। रश्मिका मंदाना जल्द ही अल्लू अर्जुन के साथ 'पुष्पा-द रूल में नजर आएंगी।

'बच्चन' कैसे बना अमिताभ का सरनेम, बिग बी की जुबानी जानिए ये दिलचस्प कहानी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ऊंचाई को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्मों के अलावा बिग बी क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 14 को भी होस्ट कर रहे हैं। जहां वह अक्सर कंटेस्टेंट्स के साथ मस्ती मजाक करते हुए नजर आते हैं और कई बार कुछ दिलचस्प खुलासे कर देते हैं। शो के हालिया एपिसोड में भी कुछ ऐसा ही हुआ। इस बार अमिताभ बच्चन ने अपने बच्चन सरनेम को लेकर खुलासा किया कि यह आखिर आया कहा से और वह इसे क्यों अपने नाम के आगे लगाते हैं। अमिताभ बच्चन ने अपनी जिंदगी का यह इंटरेस्टिंग किस्सा साझा करते हुए बताया कि बच्चन सरनेम उनके पिता हरिवंश राय बच्चन की देन है, यह उनकी सोच की उपज है। बिग बी ने बताया कि उनके पिता जाति के बंधन से खुद को आजाद रखना चाहते थे। उन्हें कवि होने की वजह से बच्चन उपनाम मिला था। जब मैं स्कूल में दाखिले ले लिए गया तो टीचर ने मेरे माता-पिता से पूछा कि मेरा सरनेम क्या होना चाहिए। यह वह क्षण था जब मेरे पिता ने निर्णय लिया कि मेरा सरनेम बच्चन होगा और मैं बच्चन होने का पहला उदाहरण बन गया। अमिताभ बच्चन ने यह किस्सा गुरुग्राम से आई कंटेस्टेंट रुचि के कारण शेयर किया। बिग बी रुचि के सरनेम न लगाने की वजह जानकर बेहद इंप्रेस हुए, जिसने उन्हें अपनी कहानी सुनाने पर मजबूर कर दिया। अमिताभ ने रुचि से पूछा कि वह अपने नाम के सरनेम क्यों नहीं लगातीं। इस पर कंटेस्टेंट ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि सरनेम आपको जाति के बंधन में डाल देता है। मैं मानती हूं कि आपका पहला नाम ही आपकी पहचान के लिए काफी है। मेरी तरह मेरे हसबैंड भी सरनेम नहीं लगाते। बचपन से ही मैं सिर्फ रुचि के नाम से जानी जाती हूं और कौन बनेगा करोड़पति के मंच पर भी मैं सिर्फ रुचि हूं।

सलमान खान से मिलते खुशी से डांस करने लगीं मुक्केबाज निकहत जरीन, कभी एक्टर को बताया था अपनी जान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान से भला कौन प्यार नहीं करता होगा। उनकी चाहने वालों की लिस्ट में आम से लेकर

खास तक के फैंस मौजूद हैं। इस लिस्ट में एक और नाम सामने आया है। भारत की मशहूर महिला मुक्केबाज निकहत जरीन भी सलमान की दीवानी हैं। वो जितना प्यार अपनी मुक्केबाजी से करती हैं, उतना ही सलमान खान से भी करती हैं। निकहत सलमान को इतना पसंद करती हैं कि एक इंटरव्यू में वो एक्टर को अपनी जान तक कह चुकी हैं। यही नहीं उन्होंने ये भी कहा था कि वो सलमान से मिलना उनका एक बहुत बड़ा सपना है। साथ ही उनका हमेशा से सपना रहा है कि वह सलमान खान से मिलें। वहीं अब निकहत का ये सपना पूरा हो गया है। मुक्केबाज और एक्टर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मुक्केबाज निकहत जरीन ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में वो सलमान खान के साथ डांस करती दिख रही हैं। निकहत जरीन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपने चाहने वालों के लिए खास पोस्ट शेयर करती रहती हैं। ऐसे में वो सलमान संग अपना वीडियो पोस्ट करने में पीछे कैसे रहतीं। निकहत जरीन वीडियो में सलमान खान के साथ उनकी फिल्म 'मैंने प्यार किया' के टाइटल सॉन्ग पर डांस करती नजर आ रही हैं। सामने आए वीडियो में आप देख सकते हैं कि निकहत जरीन ने ब्लू एंड व्हाइट कलर का ट्रैक सूट पहना हुआ है। वहीं सलमान खान व्हाइट शर्ट और ब्लैक पैंट में काफी हैंडसम दिख रहे हैं। वीडियो में दोनों 'साथिया तुने क्या किया' गाने पर डांस कर रहे हैं। इस वीडियो के साथ निकहत ने बेहद खास कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा, 'आखिरकार इंतजार खत्म हुआ।' सोशल मीडिया पर निकहत जरीन और सलमान खान का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं फैंस इस पर कमेंट कर दोनों की जोड़ी को शानदार बता रहे हैं।

बेहद सुस्त रफ्तार से आगे बढ़ रही है कटरीना की फिल्म, बस इतनी सी हुई कमाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कटरीना कैफ, सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर स्टारर हॉरर कॉमेडी 'फोन भूत' की रिलीज को एक हफ्ता होने वाला है। चार नवंबर को सिनेमाघरों में ये फिल्म मिली और डबल एक्स एल के साथ टकराई। हालांकि जाह्नवी कपूर की 'मिली' और सोनाक्षी सिन्हा और हुमा कुरैशी की फिल्म 'डबल एक्स एल' की अपेक्षा कटरीना कैफ की

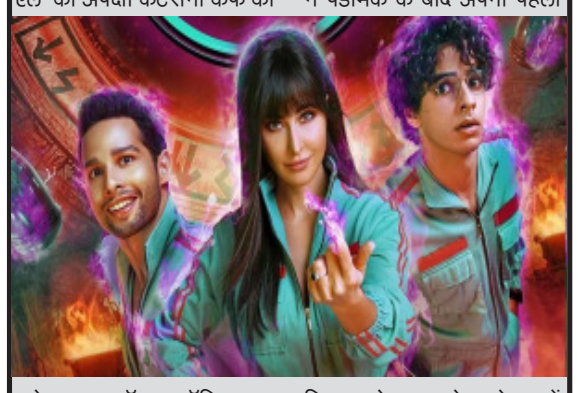

'फोन भूत' बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाई कर रही है। लेकिन इसके बावजूद ये हॉरर कॉमेडी मूवी दर्शकों की उम्मीदों के अनुसार कलेक्शन नहीं कर पा रही है और बॉक्स ऑफिस पर बेहद ही सुस्त रफ्तार से ये फिल्म आगे बढ़ रही है। कटरीना कैफ की फिल्म पांचवें दिन यानी कि मंगलवार को हॉलिडे होने के बावजूद भी दर्शकों को थिएटर तक खींचकर लाने में नाकामयाब रही। पहले दिन जहां फिल्म ने 2.05 करोड़ का कलेक्शन किया, तो वही दूसरे दिन इस फिल्म ने छलांग लगाई और 2.75 करोड़ की कमाई की। वीकेंड तक इस फिल्म का कलेक्शन काफी शानदार रहा, क्योंकि तीसरे दिन फिल्म ने 3 करोड़ का बिजनेस किया। लेकिन चौथे ही दिन यानी कि सोमवार को कटरीना कैफ की 'फोन भूत' बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम से गिरी और फिल्म ने 1.34 करोड़ का बिजनेस किया। पांचवें दिन भी ये फिल्म केवल 1.52 करोड़ का बॉक्स ऑफिस पर कारोबार कर पाई और फिल्म ने अब तक टोटल लगभग 10.71 करोड़ का इंडियन बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन किया। कटरीना कैफ ने पैंडेमिक के बाद अपनी पहली फिल्म 'फोन भूत' के प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन इसके बावजूद गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी ये फिल्म दर्शकों को इम्प्रेस करने में नाकामयाब साबित हुई। कटरीना कैफ, सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर स्टारर इस फिल्म में लोगों को स्टार्स की परफॉर्मेंस तो भा रही है, लेकिन मूवी की कहानी कुछ खास रास नहीं आई। फिल्म में कटरीना कैफ एक भूतनी के किरदार में हैं, जो अपने ब्वायफ्रेंड को जैकी श्रॉफ के चंगुल से छुड़वाने और अन्य भूतों को मोक्ष दिलवाने के लिए सिद्धांत और ईशान के साथ एक बिजनेस डील करती हैं। फिल्म का निर्माण फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के एस्सेल विजन प्रोडक्शन ने किया है।

सिर्फ टॉवेल पहनकर रणबीर कपूर ने दिखाई थी डेयरिंग, 1 सीन के लिए दिए थे इतने टेक

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ऋषि कपूर और नीतू कपूर के लाडले रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म 'सांवरिया' से बॉलीवुड

में एंट्री ली थी। साल 2007 में रणबीर की पहली फिल्म में उनके अपोजिट सोनम कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर रणबीर-सोनम स्टारर इस फिल्म का डब्बा गुल रहा, लेकिन अपने चॉकलेटी लुक्स, शार्प फीचर और मिलियन डॉलर स्माइल की वजह से 'ब्रह्मास्त्र' एक्टर रणबीर कपूर पहली ही फिल्म से फैंस के दिलों के 'सांवरिया' बन गए। इतना ही नहीं रणबीर कपूर ने अपनी पहली फिल्म में सिर्फ रोमांटिक और देवदास अंदाज ही नहीं, बल्कि सिर्फ टॉवेल के साथ डांस करके अपना डेयरिंग अंदाज भी दिखाया। संजय लीला भंसाली की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भले ही बेअसर रही हो, लेकिन इसके बावजूद रणबीर की मासूमियत के साथ-साथ फिल्म में लोगों ने उनकी डेयरिंग को भी काफी पसंद किया। इस फिल्म के टाइटल सॉन्ग 'सांवरिया' के लिए रणबीर कपूर ने सिर्फ टॉवेल के साथ पूरा गाना शूट किया था, बीच में तो उन्होंने जैसे ही गाने में एक सीन के लिए अपना टॉवेल उतारा वैसे ही सनसनी मच गई। इस गाने के लिए एक्टर न्यूड तक हो गए थे। फिल्म से ज्यादा उस समय पर हर जगह सिर्फ रणबीर कपूर के इसी सीन की चर्चा थी। लेकिन ये बात शायद ही आपको पता होगी कि इस सीन को करते हुए खुद रणबीर की हालत भी खराब हो गई थी। फिल्म के गाने 'जब से तेरे नैना'.. गाने में परफेक्ट शॉर्ट देने वाले रणबीर कपूर ने लगभग 70 टेक दिए थे। एक इंटरव्यू के दौरान रणबीर कपूर ने अपने पहले डायरेक्टर संजय लीला भंसाली के परफेक्शन को लेकर बात की थी। उन्होंने फिल्म क्रिटिक अनुपमा चोपड़ा से बातचीत के दौरान अपने टॉवेल डांस के पीछे के स्ट्रगल के बारे में बताया। रणबीर ने कहा, 'संजय लीला भंसाली किसी भी सीन में 45 से कम टेक नहीं लेते। उनको हर सीन बिलकुल परफेक्ट चाहिए। जब मैं टॉवेल के साथ टाइटल सॉन्ग शूट कर रहा था, उस दौरान मेरा एक सीन था, जहां मैं लेटा हुआ हूं,उठता हूं और फिर गाना गाता हूं। क्योंकि वह एक म्यूजिक डायरेक्टर भी हैं, तो उन्होंने मुझे ये साफ कर दिया था कि मुझे हर बीट पकड़नी है। मैंने 45 से 50 टेक दिए और मेरी कमर टूट गई, लेकिन अगले दिन जब मैं वापस सेट पर आया तो उन्होंने मुझे कहा कि मुझे सीन पसंद नहीं आया, जिसके बाद 70 टेक पर वो सीन फाइनल हुआ। रणबीर कपूर की फिल्म 'सांवरिया' बॉक्स ऑफिस पर फेल रही, लेकिन संजय लीला भंसाली में उनकी एक्टिंग स्किल्स से हर कोई इम्प्रेस हुआ और उनकी पहली ही फिल्म ने एक्टर के लिए फिल्म इंडस्ट्री के द्वार उनके लिए खोल दिए। इस फिल्म के बाद हालांकि शुरूआती दौर में रणबीर की कई और फिल्में फ्लॉप साबित हुई, लेकिन अपने गुड लुक्स के साथ-साथ उन्होंने अपनी परफेक्ट एक्टिंग स्किल्स से भी ये साबित कर दिया कि वह इंडस्ट्री में लंबी रेस का घोड़ा हैं। रणबीर कपूर की गिनती आज के दौर के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में की जाती है।

पठान की रिलीज के बाद 'टाइगर 3' की शूटिंग करेंगे शाह रुख खान ऋतिक भी स्पाइ यूनिवर्स का हिस्सा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। हॉलीवुड के मारवल सिनेमैटिक यूनिवर्स यानी एमसीयू और डीसी एक्सटेंडेड यूनिवर्स की

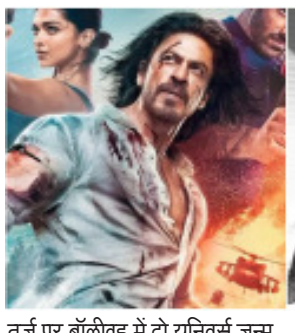

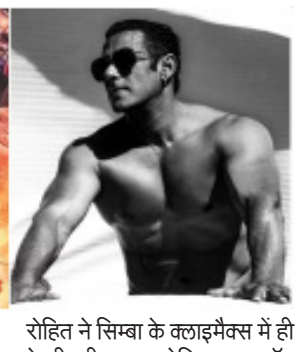

तर्ज पर बॉलीवुड में दो यूनिवर्स जन्म ले रहे हैं। एक रोहित शेट्टी का कॉप यूनिवर्स है तो दूसरा यशराज फिल्म्स का स्पाइ यूनिवर्स। रोहित के कॉप यूनिवर्स की झलक दर्शक अक्षय कुमार की फिल्म सूर्यवंशी में देख चुके हैं, जिसमें सिंघम अजय देवगन और सिम्बा रणवीर सिंह ने मौजूदगी दर्ज करवायी थी आपको याद होगा कि सूर्यवंशी की सूचना रोहित ने सिम्बा के क्लाइमैक्स में ही दे दी थी। अब रोहित इस कॉप यूनिवर्स का विस्तार ओटीटी पर कर रहे हैं और लेकर आ रहे हैं- इंडियन पुलिस फोर्स, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। यशराज बैनर के स्पाइ यूनिवर्स की बात करें तो इसकी शुरुआत सलमान खान की स्पाइ फिल्म टाइगर 3 से हो रही है, जिसमें शाह रुख खान पठान बनकर शामिल होंगे। इसको लेकर काफी वक्त से खबरें आ रही थीं कि शाह रुख, टाइगर 3 में कैमियो कर रहे हैं, मगर अब पुष्टि हो गयी है। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने पुष्टि करते हुए बताया कि इसके लिए एक जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस तैयार की जा रही है। शाह रुख पठान की रिलीज के फौरन बाद टाइगर 3 की शूटिंग करेंगे। पठान 25 जनवरी, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। सूत्र के अनुसार, स्पाइ फ्रेंचाइजी में तीनों स्पाइ टाइगर, पठान और कबीर (ऋतिक रोशन) के रास्ते एक-दूसरे को क्रॉस करते रहेंगे।

श्वेता तिवारी की बेटी पलक के रूमाल जितना छोटा टॉप पहन किया ऐसा डांस, लोगों ने कहा- 22 साल में ये हाल है तो

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 'बिजली बिजली' गाने से इंटरनेट पर तबाही मचाने वाली टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी इन दिनों काफी सुर्खियों में बनी हुई हैं। पलक के 'बिजली बिजली' गाने से इंटरनेट पर तबाही मचा दी थी। पलक अपने काम के साथ सोशल मीडिया पर अपनी हॉटनेस की वजह से भी छाई हुई हैं। वो अक्सर अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट कर फैंस के होश उड़ाती हैं। इसी बीच पलक का लेटेस्ट वीडियो तेजी से वायरल हो रही हें। पलक तिवारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में हमेशा की तरह ही पलक अपनी हॉटनेस का तड़का लगाती नजर आ रही हैं। वीडियो में पलक की ड्रेस ने हर किसी का ध्यान खींचा है। इस दौरान आप देख सकते हैं कि उन्होंने इतनी ज्यादा डीप नेट टॉप पहना हुआ है की उनका क्लेवेज साफ नजर आ रहा है। वहीं उनके बाल ओपन है और लाइट मेकअप पलक की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। पलक इस हॉट में जमकर डांस करती दिख रही हैं। इस ड्रेस के साथ उन्होंने व्हाइट कलर की पैंट कैरी की है। वहीं वो इंग्लिश गाने की धुन पर कमर मटकाती नजर आ रही हैं। पलक तिवारी के इस वीडियो पर कमेंट्स कर फैंस अपने रिएक्शपन दे रहे हैं। इस पर कमेंट कर फैंस उन्हें हॉट, बोल्ड, ब्यूटीफुल और बॉम बता रहे हैं। अब तक इसको काफी व्यूज मिल चुके हैं। बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब पलक के किसी पोस्ट को इतना पसंद किया गया है। उनकी हर पोस्ट सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।